पेज 02

दिखी भगत की भक्ति
और कांग्रेस की शक्ति

साप्ताहिक
शहर सत्ता

PRGI NO. CTHIN/25/A2378

सोमवार, 28 सितंबर से 04 अक्टूबर 2026

हम दिखाएंगे आईना...

पेज 07

फौरी एक्शन से
सक्सेस रेस्क्यू

वर्ष : 02 अंक : 30 पृष्ठ : 08 मूल्य : 5 रुपए

www.shaharsatta.com

पेज 04 खुरचन : कॉलोनी डूब जाए तो डूब जाए, जमीन का रेट नहीं डूबना चाहिए...!

पत्तियों से लेकर फ़ली तक हैं "संजीवनी"

छत्तीसगढ़ सरकार के मोरेंगा महाअभियान को मिली राष्ट्रीय पहचान

- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में हर घर मुनगा अभियान को सराहा
- मुख्यमंत्री विष्णु देव और महिला मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की देशभर में प्रशंसा
- मुनगा पत्तियों, फलियों और पौधों को कुपोषण के विरुद्ध बताया संजीवनी

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

नई दिल्ली/रायपुर। कुपोषण के खिलाफ छत्तीसगढ़ की एक स्थानीय पहल अब राष्ट्रीय मंच तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा-घर घर मुनगा' अभियान का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने पोषण की चुनौती से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों और जनभागीदारी को जोड़ने वाली इस पहल की सराहना की। छत्तीसगढ़ में सितंबर माह को पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 12 सितंबर को 'हर घर मुनगा-घर घर मुनगा' अभियान की शुरुआत की। अभियान का उद्देश्य मुनगा के पौधे को घर-घर पहुंचाने के साथ उसके पोषण संबंधी लाभों के प्रति परिवारों को जागरूक करना है।

मुनगा यानी सहजन को स्थानीय भोजन और पोषण से जोड़ते हुए राज्य सरकार ने इसे कुपोषण के खिलाफ अभियान का हिस्सा बनाया है। खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और किशोरियों के पोषण पर इसका फोकस है। आंगनबाड़ी केंद्रों को इस अभियान का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है, जहां पोषण जागरूकता के साथ परिवारों को मुनगा के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस पहल की खास बात यह है कि इसमें किसी महंगे या बाहरी संसाधन के बजाय स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध पौधे को पोषण अभियान का माध्यम बनाया गया है। यानी घर के आंगन में लगा एक पौधा परिवार के भोजन में पोषण बढ़ाने के साथ कुपोषण के खिलाफ जागरूकता का भी जरिया बने। 'हर घर मुनगा' को केवल पौधरोपण अभियान के रूप में नहीं देखा जा रहा है। इसके जरिए पौधरोपण, पोषण जागरूकता, आंगनबाड़ी सेवाओं और सामुदायिक भागीदारी को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य सरकार का जोर इस बात पर है कि पोषण का संदेश सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित न रहे, बल्कि परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बने।

मुनगे से पोषण की जंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पोषण जागरूकता और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित 'हर घर मुनगा–घर-घर मुनगा' अभियान का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'मन की बात' के 138वें संस्करण में उल्लेख किया। प्रधानमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ की इस पहल का उल्लेख किए जाने पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट किया।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा–घर-घर मुनगा' अभियान का 'मन की बात' जैसे राष्ट्रीय मंच पर उल्लेख किया जाना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री जी ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों और जनभागीदारी के माध्यम से पोषण को मजबूत करने के प्रयास को देश के सामने रखा है। इसके लिए छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अभियान से जुड़े सभी लोगों की ओर से प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में तीजा-पोरा के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास से 'हर घर मुनगा–घर-घर मुनगा' अभियान का राज्यव्यापी शुभारंभ किया गया था। अभियान के माध्यम से मुनगा के पौधे को घर-घर पहुंचाने के साथ ही उसके पोषण संबंधी महत्व के प्रति परिवारों को जागरूक किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि अभियान को आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, पोषण वाटिकाओं और ग्रामीण परिवारों की बाड़ियों से जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य स्थानीय रूप से उपलब्ध मुनगा को परिवारों के भोजन और पोषण से जोड़ना है, ताकि माताओं, किशोरी बालिकाओं एवं बच्चों के पोषण को मजबूती मिल सके। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के 52,553 आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से लगभग 7.88 लाख परिवारों को जोड़ने की योजना बताई गई है।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि 'हर घर मुनगा–घर-घर मुनगा' केवल पौधरोपण का अभियान नहीं, बल्कि पोषण जागरूकता और जनभागीदारी को परिवारों की दिनचर्या से जोड़ने का प्रयास है। मुनगा की उपलब्धता को स्थानीय भोजन और पोषण से जोड़कर परिवार स्वयं भी स्वस्थ एवं सुपोषित जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा इस अभियान का उल्लेख किए जाने से छत्तीसगढ़ के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, माताओं, बहनों, किशोरी बालिकाओं और अभियान से जुड़े सभी लोगों का उत्साह और बढ़ा है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अपने घर, बाड़ी अथवा आसपास मुनगा का पौधा लगाएं, उसकी देखभाल करें और परिवार के भोजन में मुनगा को शामिल करने के साथ पोषण के संदेश को आगे बढ़ाएं।

हर घर मुनगा, घर-घर सुपोषण—जनभागीदारी से बनेगा स्वस्थ और सुपोषित छत्तीसगढ़।"

जिलों में लगाए गए मुनगा पेड़

जिला	कुल लगे पेड़
बस्तर	25,244
कांकेर	43,071
दंतेवाड़ा	7,056
नारायणपुर	21,224
बीजापुर	15,699
सुकमा	4,835
कोंडागांव	31,983
सरगुजा	43,754
कोरिया	19,022
एम.सी.बी.	11,939
सूरजपुर	64,599
बलरामपुर	27,107
जशपुर	1,62,271
रायपुर	23,948
महासमुंद	6,420
धमतरी	48,833
बलौदाबाजार	28,398
गरियाबंद	10,527
दुर्ग	42,474

रविवि. में हर महत्वपूर्ण चयन से पहले कुलपति का अवकाश क्यों?

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ.

सच्चिदानंद शुक्ला की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा है कि विश्वविद्यालय में दो वर्षों से भर्तियां लंबित हैं और दूसरी ओर महत्वपूर्ण चयन प्रक्रियाओं के दौरान कुलपति के अवकाश को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आखिर यह महज संयोग है या इसके पीछे कोई व्यवस्था? पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था है। यहां भर्ती प्रक्रिया में देरी केवल प्रशासनिक देरी नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के हजारों युवाओं के भविष्य और विश्वविद्यालय की अकादमिक व्यवस्था से जुड़ा सवाल है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने पूछा कि दो साल में विश्वविद्यालय प्रशासन कितने पदों पर भर्ती पूरी कर पाया? कितने पद खाली हैं? कितनी भर्ती प्रक्रियाएं शुरू हुई और कितनी आज भी अधर में हैं? भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता है तो फिर जानकारी सार्वजनिक करने में हिचकिचाहट क्यों? विज्ञापन से लेकर पात्रता सूची, आपत्तियां, दस्तावेज सत्यापन, साक्षात्कार, चयन समिति और अंतिम चयन सूची-हर चरण का रिकॉर्ड सार्वजनिक होना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सबसे गंभीर सवाल कुलपति के महत्वपूर्ण भर्ती प्रक्रियाओं के दौरान अवकाश पर जाने को लेकर है।क्या यह सिर्फ संयोग है कि महत्वपूर्ण साक्षात्कार या चयन प्रक्रिया के आसपास कुलपति अवकाश पर चले जाते हैं? यदि अवकाश सामान्य प्रशासनिक अथवा व्यक्तिगत कारणों से लिया गया है तो अवकाश आवेदन, स्वीकृति और उस अवधि में विश्वविद्यालय में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इससे किसी भी प्रकार की आशंका और भ्रम स्वतः समाप्त हो जाएगा।

रायगढ़ में 129.840 टन स्क्रैप समेत 1.21 करोड़ का माल जब्त

शहर सत्ता/रायपुर। रायगढ़ में पुलिस ने शनिवार को अवैध तरीके से कबाड़ परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने 6 मामलों में 129.840 टन लोहे-टीन और अन्य स्क्रैप जब्त किया है। इसकी कीमत करीब 53.60 लाख रुपए है। पुलिस ने स्क्रैप से लदे 6 वाहन भी पकड़े हैं, जिनकी कीमत करीब 68 लाख रुपए है। इस तरह कुल 1.21 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। यह स्क्रैप बिना जरूरी दस्तावेजों के प्लांटों में खपाने के लिए ले जाया जा रहा था। मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि 14 चक्का ट्रक में टीन, लोहे के टुकड़े, राड और वाहनों के पार्ट्स का स्क्रैप लोड कर रायगढ़ से पूंजीपथरा स्थित एक प्लांट में खपाने के लिए ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने रायगढ़ रोड स्थित स्केनिया प्लांट के पास संदिग्ध ट्रक को रोका। ड्राइवर ने अपना नाम राकेश गिरी (32), निवासी गोसाईपुर, थाना रामपुर, जिला जौनपुर, उत्तर प्रदेश बताया। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें 23.990 टन स्क्रैप मिला। इसकी कीमत करीब 8.49 लाख रुपए और ट्रक की कीमत करीब 15 लाख आंकी गई।

प्रार्थना सभा का विरोध, हिंदू संगठन और भीम आर्मी भिड़े

शहर सत्ता/रायपुर। धमतरी जिले में धर्मांतरण को लेकर हिंदू संगठन और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हुआ है। रविवार को नेशनल हाईवे के पास टिकरापारा स्थित घर में प्रार्थना सभा चल रही थी। हिंदू संगठन ने धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए सभा का विरोध किया और नारेबाजी की। कुछ देर बाद भीम आर्मी के लोग भी मौके पर पहुंच गए। उनका कहना था कि कोई भी व्यक्ति मंदिर, मस्जिद या चर्च कहीं भी जा सकता है। इसके लिए धर्म परिवर्तन करने या किसी के परमिशन की जरूरत नहीं है। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। मामला नेशनल हाईवे के पास टिकरापारा स्थित घर का है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम और महापौर मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को अलग कर शांत कराया गया। दरअसल, धमतरी के टिकरापारा इलाके में नेशनल हाईवे के पास रविवार को एक घर में प्रार्थना सभा हो रही थी। जहां करीब 30 से 40 लोग मौजूद थे। इसकी जानकारी मिलते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ता घर के बाहर पहुंच गए और विरोध करने लगे।

दिखी भगत की भक्ति और कांग्रेस की शक्ति

दो दिनी प्रवास पर एते ही कांग्रेस दिग्गजों के साथ नए प्रदेश प्रभारी भगत का मंथन शुरू

- रायपुर पहुँचते ही आला नेताओं से की चर्चा फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिडिया से हुए मुखातिब
- कल की बैठक और पार्टी नेताओं संग कांग्रेस की प्रदेश राजनीति पर बनाएंगे रणनीति
- प्रेस कॉन्फ्रेंस में नवनियुक्त छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश प्रभारी भगत ने भाजपा पर दागे 10 सवाल

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस का प्रभारी बनने के बाद वरिष्ठ नेता एवं सांसद सुखदेव भगत का पहला दौरा रविवार को शुरू हुआ। दो दिनों के दौरे में पहले दिन ही वे कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के साथ मंथन कर चुनावी तैयारियों की टोह लेते रहे। दिग्गजों की मौजूदगी में होने वाली इस बैठक को चुनावी मिशन के लिहाज से अहम माना जा रहा है। इसके अलावा वे कांग्रेस विधायकों से भी आज देर रात और कल सोमवार को मंथन करेंगे। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के आवास में 27 सितंबर की शाम 8 बजे कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई। इस दौरान वे विधायकों से उनके क्षेत्र की राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों से लेकर जमीनी हालातों से रूबरू हुए। वहीं अब तक किए गए कामकाज का भी ब्यौरा वे आला नेताओं से लिए। प्रदेश कांग्रेस के नए प्रभारी सुखदेव भगत के दौरे से पहले ही संगठन में सियासी सरगर्मियों ने जोर पकड़ा है। राजधानी पहुंचते ही उनकी कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति के साथ पहली मंत्रणा हुई। सूत्रों के मुताबिक वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर वे मौजूदा संगठनात्मक ढांचे और कामकाज के साथ आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर भी पार्टी की तैयारियों पर चर्चा किए। इस दौरान वे वरिष्ठ नेताओं से सुझाव भी लिए।

पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी फैसलों पर सब की नजर

संकेत मिल रहे हैं कि कमेटी में चर्चा के आधार पर प्रभारी चुनावी रणनीतियों पर काम शुरू करने वरिष्ठ नेताओं को भी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की इस बैठक पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं। इसके तत्काल बाद वे नेता प्रतिपक्ष के आवास पर कांग्रेस विधायकों से रूबरू होंगे। विधायक दल की बैठक में भी प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चा होगी। इस दौरान एक-एक विधायकों से चर्चा कर उनके कामकाज का ब्यौरा भी लेंगे।

ये कांग्रेसी दिग्गज रहे उपस्थित

पत्रकार वार्ता में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस.सिंहदेव, प्रदेश सह प्रभारीगण जरिता लैतफलांग, विजय जांगिड, वरिष्ठ कांग्रेस नेता धनेन्द्र साहू, सत्यनारायण शर्मा, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व मंत्री मो. अकबर, पूर्व मंत्री मोहन मरकाम, पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, सांसद फूलोदेवी नेताम, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, विधायक संगीता सिन्हा, पूर्व एआईसीसी सचिव विकास उपाध्याय, सेवादल अध्यक्ष अरूण ताम्रकार, शकुन डहरिया, शहर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे, मुख्य प्रवक्ता आर.पी. सिंह, धनंजय सिंह ठाकुर, घनश्याम राजू तिवारी, सुरेन्द्र वर्मा, वंदना राजपूत, प्रवक्ता अजय साहू, अजय गंगवानी, सत्यप्रकाश सिंह, सौरभ साहू उपस्थित थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, आदिवासी संस्कृति और युवा शक्ति का प्रदेश है। लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल है-क्या भाजपा सरकार की नीतियों का लाभ वास्तव में आम छत्तीसगढ़िया, आदिवासी, किसान और युवा तक पहुँच रहा है?
- आदिवासी अधिकारों का है। जल, जंगल और जमीन केवल नारे नहीं, संविधान और कानून से मिले अधिकार हैं। खनन और औद्योगिक परियोजनाओं में ग्रामसभा, Forest Rights Act और PESA की भावना का कितना पालन हो रहा है?
- खनिज संपदा का है। छत्तीसगढ़ के कोयला, लौह अयस्क और अन्य खनिज देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं, लेकिन mining-affected क्षेत्रों के लोगों को रोजगार, पुनर्वास और विकास का वास्तविक लाभ कितना मिला ?
- जंगल और पर्यावरण का है। विकास जरूरी है, लेकिन विकास की कीमत जंगल और आदिवासी जीवन क्यों चुकाए ?
- सरकार युवाओं को स्थायी और सम्मानजनक रोजगार देने का स्पष्ट रोडमैप बताए ।
- MGNREGA पर सीएजी की 2026 Performance Audit Report सामने आ चुकी है। सरकार इन audit findings पर action taken report सार्वजनिक करे ।
- एसआईआर और मतदाता सूची। हमारा स्पष्ट मत है - हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी हमदनपदम अवजमत का नाम प्रक्रिया की खामी से नहीं हटना चाहिए।
- किसान, महंगाई और बिजली जैसे रोजमर्रा के मुद्दों पर सरकार जवाब दे ।
- कांग्रेस संगठन को बूथ तक मजबूत करना, युवा और महिला शक्ति को सक्रिय करना तथा वरिष्ठ नेताओं के बीच बेहतर coordination हमारी प्राथमिकता होगी।

कांग्रेसी एकजुट दिखे, किया जोरदार स्वागत

नए प्रभारी के पहले दौरे में कांग्रेस संगठन ने जोरदार स्वागत की तैयारी की। आमतौर पर अलग अलग से दिखने वाले गट भी एकजुट दिखाई दिए। प्रभारी नियमित विमान से दोपहर करीब ढाई बजे स्वामी विवेकानंद विमानतल पर लैंड हुए। एयरपोर्ट से राजीव भवन तक स्वागत के लिए अलग-अलग 20 पॉइंट्स तैयार किए गए थे। प्रदेश भर से वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का भी राजधानी में जमावड़ा रहा। सभी पॉइंट्स पर वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और मोर्चा संगठनों के अध्यक्षों समेत अन्य नेताओं को जिम्मेदारी दी गई थी जिसे सभी ने निभाया।

छत्तीसगढ़ में जेम पोर्टल के माध्यम से सरकारी धन की लूट मची है

शहर सत्ता/रायपुर। सरकारी खरीदी का पोर्टल जेम भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जेम पोर्टल से की गई सभी खरीदी की जांच होनी चाहिए। सरकार में बैठे हुये प्रभावशाली लोग जेम पोर्टल के माध्यम में अनाप शनाप भाव में सरकारी सप्लाई का ठेका अपने चहेतो को दिला कर कमीशनखोरी कर रहे है। जेम पोर्टल के माध्यम से सरकारी धन की लूट मची है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय सीएसआईडीसी के माध्यम से हो रही खरीदी को भाजपा सरकार बनने के बाद इसी लिए बंद किया गया था ताकि भ्रष्टाचार किया जा सके और राज्य के बाहर के सप्लायरों से कमीशन ले कर खरीदी की जाय।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जेम पोर्टल के माध्यम से अब तक जितनी खरीदी हुई है इस पूरी खरीदी की जांच की जानी चाहिये। जेम पोर्टल की खरीदी में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। स्थानीय व्यापारियों की अनदेखी हुई है, पोर्टल से हुई अधिकांश खरीदी राज्य के बाहर के सप्लायरों से हुई है। इसी जेम पोर्टल से 300 का जग 32000 में खरीदा गया है। 1 लाख की टी.वी 10 लाख में, 60 हजार की रोटी मेकर मशीन 8 लाख में खरीदी गयी। 1539 का ट्रेक सूट 2499 में खरीदा गया। यह है जेम पोर्टल का कमाल सरकार में बैठे हुये लोग जेम पोर्टल के माध्यम से राज्य के खजाने पर डाका डाल रहे है। आठ लाख की रोटी खरीदी मामले में लीपापोती करने में पूरी सरकार जुटी है जबकि इस मामले में अभी तक एफआईआर हो जाना था। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जेम पोर्टल के माध्यम से की गई अभी तक की सभी खरीददारी का सोशल ऑडिट करवाया जाय तो पूरा सिस्टम नंगा हो जाएगा। सरकार में सह है तो सभी खरीदारी की गई सामांग्री और उसके भाव सार्वजनिक कर दे। अभी तक जितनी भी खरीदी की गई साफ हो जाएगा कि सारा सामान बाजार भाव से दस से सौ गुना से भी अधिक भाव पर खरीदी हुई है।

आम उपभोक्ताओं पर दबाव पहले, सरकार पहले विभागों से बकाया वसूले

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिजली बिल की वसूली को लेकर भाजपा सरकार की नीति पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि एक तरफ सरकारी विभागों पर बिजली कंपनी का बकाया लगातार बढ़ता जा रहा है और दूसरी तरफ आम गरीब, किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी और मध्यमवर्गीय परिवारों से बिजली बिल की वसूली में सख्ती की जा रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार मार्च 2026 तक सरकारी विभागों पर लगभग ₹2,883.42 करोड़ का बिजली बिल बकाया था। जून 2026 तक की अनुमानित मांग जोड़ने पर यह राशि ₹3,432.64 करोड़ से अधिक होने की रिपोर्ट सामने आई है। सरकारी विभागों के बिजली कनेक्शनों की संख्या भी 1.65 लाख से अधिक बताई गई है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार के अपने विभाग बिजली कंपनी के हजारों करोड़ रुपये के बकायादार हैं, तब आम जनता पर वसूली का दबाव क्यों?

CM साय बोले 'राहुल' को चुनावी प्रक्रिया पर भरोसा नहीं तो सांसदी छोड़ें

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने राहुल गांधी के चुनाव प्रक्रिया पर लगातार सवाल उठाने को लेकर भी सवाल किया। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया पर इतना ही अविश्वास है, तो उन्हें सांसद पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी से अपने बयानों के लिए देश से माफी मांगने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने के बजाय कांग्रेस को चुनावी नतीजों के बाद अपनी भूमिका और रणनीति पर विचार करना चाहिए। साय ने कांग्रेस पर देश में भ्रम और सनसनी फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर लगातार सवाल उठाने से लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचता है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राहुल गांधी देशद्रोही आचरण पर उतारू हो गए हैं। वे आदतन अपराधी की तरह व्यवहार कर रहे हैं। EVM, चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं पर कीचड़ उछालना घिनौना काम है। कांग्रेस को इससे बाज आना चाहिए। राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अब तक 100 से ज्यादा चुनाव हार चुकी है, इसी कारण बौखलाई हुई है।

राहुल गांधी ने लगाया छत्तीसगढ़ में वोट चोरी का आरोप

दरअसल, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी SIR को लेकर चुनाव आयोग के भीतर कथित असहमति की खबरें सामने आने के बाद राहुल गांधी ने आयोग पर निशाना साधा था। 23 सितंबर को राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को भारतीय लोगों के खिलाफ अपराध और संविधान पर सीधा हमला बताया था। उन्होंने छत्तीसगढ़ में भी वोट चोरी का आरोप लगाया था। इन आरोपों पर चुनाव आयोग ने इन आरोपों के बाद कहा कि SIR से जुड़े फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों पर साय की प्रतिक्रिया

साय ने चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों की चर्चाओं पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग में किसी तरह का मतभेद नहीं है और भारतीय निर्वाचन आयोग की दुनिया में अपनी विश्वसनीयता है। आयोग की कार्यप्रणाली की अलग-अलग स्तरों पर सराहना होती रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कांग्रेस जब जनता की अदालत में चुनाव हारती है, तो अपनी हार की जिम्मेदारी लेने के बजाय चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े करने लगती है। यही वजह है कि राहुल गांधी लगातार चुनाव आयोग की भूमिका और चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

बढ़ती महंगाई से देश का आम आदमी परेशान

देश का थोक महंगाई सूचकांक आजादी के बाद सबसे ज्यादा 9.78 पहुंचा

शहर सत्ता/रायपुर। बढ़ती महंगाई पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने गहरी चिंता व्यक्त किया है। देश का थोक महंगाई सूचकांक आजादी के बाद सबसे ऊंचे पायदान 10 (9.78) तक पहुंच गया है। रोजमर्रा की जरूरतो के समानो की बेतहाशा बढ़ी महंगाई तथा खाद्य तेल, शक्कर प्याज के बढ़े दाम आम आदमी को परेशान कर रहे है। राशन सामाग्री के दाम दुगुने हो गये है, पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस तथा बढ़े बिजली बिल से जनता के घर का बजट बिगड़ गया है। जो समान जनवरी 2015 में 1000 का था वह अगस्त 2026 में 1729 रू. का हो गया है। 100 दिन में महंगाई कम करने का वादा कर अच्छे दिन लाने वाले मोदी के शासनकाल में जनता बद्तर दिन में जीवन काटने को मजबूर है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राखी के त्योहार में शक्कर एवं खाद तेलो की बढ़ती कीमतों ने त्योहार का मजा फीका कर दिया है। आम आदमी त्योहार कैसे मनाये। पिछले एक पखवाड़े में शक्कर की कीमत में 40 से 50 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। खाद तेल के दाम दोगुने हो गये है। प्याज 50 रू. किलो पहुंच गया है। आम गृहणी की रसोई की बजट बिगड़ गया है। अच्छे दिनों का वादा कर सरकार में आई मोदी सरकार ने आम आदमी को महंगाई से परेशान कर रखा है। दाल की कीमते दोगुनी हो गई है, लहसुन 400 किलो, आलू, प्याज, टमाटर एवं सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। दालों की कीमते दुगुनी हो गयी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि एक तरफ बढ़ती बेरोजगारी, घटते इनकम से लोग परेशान हैं वही दैनिक उपभोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से जनता परेशान है। केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के चलते ही महंगाई बेलगाम हो चुकी हैं। 1 डॉलर की कीमत 96 रुपये तक पहुंच गया है। केंद्र की मोदी सरकार आम जनता से डीजल, पेट्रोल का डेढ़ गुना दाम वसूल रही है। रसोई गैस की कीमतें तीन गुना अधिक वसूली जा रही है। दूध, दही, पनीर, आटा, मैदा, सूजी, दलहन तिलहन, कपड़े जैसे दैनिक उपभोग की तमाम वस्तुओं के दाम बढ़ गये है। दवाओं और अस्पतालों तक में इलाज महंगा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी और केंद्र की मोदी सरकार जनता की जेब में खुलेआम डकैती कर रहे हैं।

जलभराव के बीच मूर्तियों का महादेव घाट में विसर्जन

शहर सत्ता/रायपुर। महादेव घाट स्थित विसर्जन कुंड स्थल पर जलभराव के बाद रविवार को गणेश मूर्ति विसर्जन जारी है। शहर की आज बड़ी मूर्तियां महादेव घाट पहुंच रही है। अफसरों ने स्थिति सामान्य होते तक सहयोग करने की अपील की है। दरअसल, शनिवार को बारिश और खारुन नदी बढ़े हुए जलस्तर के बीच भी श्रद्धालु उत्साह और आस्था के साथ महादेवघाट स्थित विसर्जन कुंड पहुंचे। नगर निगम रायपुर की ओर से बनाए गए विसर्जन कुंड में रात तक भगवान गणेश की 5500 से ज्यादा मूर्तियों का भक्त विसर्जन कर चुके हैं। हनुमान भगवान के गोद में गणपति की प्रतिमा का विसर्जन। इस दौरान समिति के लोग जयकारे लगाते नजर आए। महादेवघाट के पास जोन क्रमांक 8 क्षेत्र में बनाए गए विसर्जन कुंड में सुबह से ही प्रतिमाएं लेकर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। शहर में जलभराव के बावजूद भक्तों के उत्साह में कमी नहीं आई। श्रद्धालुओं ने पहले प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की। इसके बाद विधि-विधान से गणपति बप्पा को विदाई दी। विसर्जन के दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारे भी गूंजते रहे। नगर निगम ने प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए महादेवघाट के पास विशेष कुंड तैयार किया है। यहां श्रद्धालुओं को सीधे नदी में प्रतिमा विसर्जित करने के बजाय निर्धारित कुंड में विसर्जन की सुविधा दी जा रही है। छोटी और बड़ी प्रतिमाओं के अनुसार निगम की टीम व्यवस्था संभाल रही है। बारिश के बीच भी विसर्जन की प्रक्रिया लगातार चलती रही।

खमतराई में अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर के खमतराई इलाके में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 37 पौवा गोवा स्पेशल व्हिस्की जब्त की है। पुलिस ने मौके से एक युवक को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की मात्रा 6.660 बल्क लीटर और कीमत करीब 4,440 रुपए बताई गई है। पुलिस के मुताबिक, 27 सितंबर को खमतराई पुलिस इलाके में पेट्रोलिंग और अवैध गतिविधियों की निगरानी कर रही थी। इसी दौरान डब्ल्यूआरएस कॉलोनी के बालाजी चौक के पास मुखबिर से सूचना मिली कि छोटापारा की आरव्हीएच कॉलोनी में एक व्यक्ति घर के बाहर बोरी में अवैध शराब रखे हुए है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवक को पकड़कर पूछताछ की। उसने अपना नाम ई. सुरेश रॉव (25), पिता ई. तारकेश्वर रॉव, निवासी आरव्हीएच कॉलोनी छोटापारा बताया। पुलिस ने युवक के कब्जे में रखी हरे रंग की प्लास्टिक बोरी की तलाशी ली। इसमें 180-180 एमएल के 37 पौवा गोवा स्पेशल व्हिस्की मिले। शराब के संबंध में युवक कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने शराब जब्त कर ली। च में रामायण सिंह और दीपक सिंह की भूमिका सामने आई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ खमतराई थाने में अपराध क्रमांक 1048/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिरगांव में तीन दिन तक नल से नहीं आएगा पानी

शहर सत्ता/रायपुर। लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब बिरगांव की जलापूर्ति व्यवस्था पर भी पड़ा है। खारुन नदी में अत्यधिक गंदा और मटमैला पानी आने के कारण बेंद्री एनीकट से बिरगांव को होने वाली पानी की सप्लाई तीन दिनों के लिए बंद कर दी गई है। गंदे पानी की वजह से फिल्टर प्लांट के संचालन में परेशानी आ रही थी, जिसके चलते जल कार्य विभाग ने प्लांट को बंद करने का निर्णय लिया है। बिरगांव नगर निगम को बेंद्री एनीकट के जरिए पानी की आपूर्ति होती है। लेकिन लगातार बारिश के बाद खारुन नदी में पानी का बहाव बढ़ने के साथ ही बड़ी मात्रा में गाद और मिट्टी आ गई है। नदी का पानी बेहद मटमैला होने के कारण इसे फिल्टर प्लांट में लेकर शुद्ध करना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में निगम ने एहतियात के तौर पर नदी से पानी लेना फिलहाल बंद कर दिया है। जल कार्य प्रभारी इकराम अहमद ने बताया कि भारी बारिश के कारण खारुन नदी और बेंद्री एनीकट में काफी ज्यादा गंदा पानी पहुंच रहा है। इसी वजह से बिरगांव के फिल्टर प्लांट को बंद रखना पड़ रहा है। इसका असर नगर निगम क्षेत्र के कई वार्डों में होने वाली नल जलापूर्ति पर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल तीन दिनों तक पानी की सप्लाई प्रभावित रहने की संभावना है। नदी का पानी सामान्य और साफ होने के बाद फिल्टर प्लांट को दोबारा शुरू किया जाएगा।

शारदा चौक से महादेव घाट तक गणेश झांकी

रास्ते में कई जगह नो एंट्री, शाम 7 बजे से लागू होगा ट्रैफिक डायवर्जन

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर में 28 सितंबर को गणेश विसर्जन झांकी निकाली जाएगी। झांकी रात 9 बजे शारदा चौक से रवाना होकर जयस्तंभ चौक, मालवीय रोड, कोतवाली चौक, सदर बाजार, कंकालीपारा चौक, पुरानी बस्ती थाना तिराहा, लाखेनगर चौक, सुंदरनगर रोड और रायपुरा चौक से होते हुए महादेव घाट स्थित विसर्जन स्थल पहुंचेगी। झांकी को लेकर यातायात पुलिस कमिश्नरेट ने ट्रैफिक डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था जारी की है। झांकी के दौरान संबंधित मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। लोगों से अपील की गई है कि वे वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें और निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही वाहन खड़ा करें।

गणेश झांकी के दौरान निर्धारित मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इस रूट पर केवल झांकी और पैदल श्रद्धालुओं को प्रवेश की अनुमति होगी। यातायात पुलिस ने अन्य मार्गों से आने वाले वाहन चालकों से शाम 7 बजे से निर्धारित वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करने की अपील की है।

इन वैकल्पिक मार्गों से कर सकेंगे आवागमन

टाटीबंध की ओर से: टाटीबंध से महोबा बाजार, चौबे कॉलोनी, समता कॉलोनी, तेलघानी नाका, रेलवे स्टेशन चौक, फाफाडीह चौक और शास्त्री चौक की ओर जा सकेंगे। इसके अलावा टाटीबंध से रिंग रोड नंबर-1 होते हुए पचपेड़ी नाका का रास्ता भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। फाफाडीह चौक, रेलवे स्टेशन चौक और तेलघानी नाका होते हुए टाटीबंध की ओर जा सकेंगे। फाफाडीह से शास्त्री चौक, कालीबाड़ी और पचपेड़ी नाका की ओर भी आवागमन किया जा सकेगा। तेलीबांधा चौक से शास्त्री चौक, फाफाडीह चौक और रेलवे स्टेशन की ओर जा सकेंगे। कालीबाड़ी मार्ग का भी उपयोग किया जा सकेगा। पचपेड़ी नाका चौक, टिकरापारा चौक, कालीबाड़ी चौक, महिला थाना, शास्त्री चौक, फाफाडीह चौक और रेलवे स्टेशन की ओर आवागमन किया जा सकेगा।

इन रास्तों पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

झांकी के दौरान शास्त्री चौक से जयस्तंभ चौक, आश्रम तिराहा से शारदा चौक/जयस्तंभ चौक, सुभाष नगर चौक-मौदहापारा से जयस्तंभ चौक, फायर ब्रिगेड चौक से कोतवाली, बूढ़ापारा बिजली ऑफिस चौक से कोतवाली, लाखेनगर चौक से पुरानी बस्ती थाना, बुद्धेश्वर चौक से पुरानी बस्ती थाना और कंकालीपारा से सदर बाजार-कोतवाली मार्ग पर यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अलग-अलग दिशाओं से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग स्थल तय किए हैं।

कृषिविवि में तीन दिवसीय यूथ इनोवेशन कॉन्क्लेव

शहर सत्ता/रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय 'छत्तीसगढ़ यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन होगा। इसका शुभारंभ सोमवार को राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कृषि विकास, किसान कल्याण एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम समेत विधायक मोतीलाल साहू और अनुज शर्मा भी मौजूद रहेंगे। कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ सहित देशभर से 1500 से ज्यादा युवा शामिल होंगे। अब तक 1200 से अधिक युवाओं ने पंजीयन कराया है। इच्छुक युवाओं के लिए 28 सितंबर को स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी रहेगी। कॉन्क्लेव में नवाचार और स्टार्टअप प्रदर्शनी के साथ पिचिंग सेशन, विशेषज्ञों के व्याख्यान, निवेशक-स्टार्टअप संवाद, मेंटरशिप और इनक्यूबेशन सत्र होंगे। कृषि एवं एग्रीटेक, खाद्य प्रसंस्करण, बायोटेक्नोलॉजी, ग्रामीण उद्यमिता, डिजिटल टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीप-टेक, नवीकरणीय ऊर्जा और फिनटेक जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे युवाओं को मंच मिलेगा। पिचिंग सत्र में चुने गए तीन शीर्ष स्टार्टअप को क्रमश: 1 लाख, 75 हजार और 50 हजार रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। कॉन्क्लेव के दौरान छत्तीसगढ़ के पहले और एकमात्र बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर-केंद्रित सुभाष चंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर के नए भवन का लोकार्पण होगा। दो एकड़ में बने इस केंद्र में आधुनिक प्रयोगशालाएं, BSL-3 सुविधा, एनालिटिकल और टेस्टिंग सुविधाएं, किट एवं तकनीक विकास इकाइयां, वेस्ट ट्रीटमेंट सिस्टम और को-वर्किंग व इनक्यूबेशन स्पेस हैं। यहां शोधार्थियों, स्टार्टअप और उद्यमियों को प्रोटोटाइप विकास, प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और मेंटरिंग की सुविधा मिलेगी।

रायपुर में पत्नी और 2 बच्चों की चाकू गोदकर हत्या

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में शनिवार देर रात ट्रिपल मर्डर की घटना सामने आई है। पति ने अपनी पत्नी और 2 नाबालिग बच्चों की धारदार चाकू से हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने खुद पर भी चाकू से वार कर लिया, जिससे वह घायल हो गया। आरोपी को इलाज के लिए मेकाहारा में भर्ती कराया गया है। मामला माना थाना क्षेत्र के डूमरतराई का है। आरोपी की पहचान भुनेश्वर साहू (34) के रूप में हुई है। वह जिला बालोद का रहने वाला है और डूमरतराई के साहू पारा में किराए के मकान में रहता था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पत्नी के कैरेक्टर पर शक के चलते उसने हत्या की है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी भुनेश्वर साहू ने रात 1:30 बजे विवाद के बाद पहले पत्नी खिलेश्वरी साहू पर हमला किया। इसके बाद उसने दोनों बच्चों आशीष साहू (10) और ज्ञान साहू (8) पर हमला किया। तीनों की मौत के बाद उसने खुद पर भी चाकू से वार किए। पड़ोसियों को घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने पुलिस को सूचित किया। माना पुलिस रात में ही मौके पर पहुंची तो दोनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। महिला की हालत बेहद गंभीर थी। वहीं पति भी घायल हालत में पड़ा हुआ था। पत्नी को अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सब्जी मंडी में काम करते थे पति-पत्नी

पुलिस ने बताया का परिवार करीब 2 साल पहले किराए के मकान में रहने आया था। पति और पत्नी दोनों सब्जी मंडी में काम करते थे। 2 महीने पहले पति ने काम छोड़ दिया था। पड़ोसियों के मुताबिक चरित्र शंका को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। शनिवार रात भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था।

मीटर रीडरों को झटका मानदेय में फिर कटौती

शहर सत्ता/रायपुर। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद रोजगार को लेकर चिंतित मीटर रीडरों के मानदेय में बिजली कंपनी प्रबंधन ने एक बार फिर कटौती की है। प्रति उपभोक्ता मीटर रीडिंग और बिलिंग के लिए मिलने वाली राशि को 8 रुपए से घटाकर अब 7 रुपए कर दिया गया है। मीटर रीडरों के मौजूदा एग्रीमेंट की अवधि खत्म होने में करीब एक माह का समय बाकी है। इसके पहले ही मानदेय में कटौती किए जाने से मीटर रीडरों में नाराजगी है।

मीटर रीडरों का कहना है कि पिछले वर्ष भी प्रति उपभोक्ता मिलने वाले मानदेय में एक रुपए की कटौती की गई थी। अब दोबारा एक रुपए कम किए जाने से उनके सामने आर्थिक संकट की स्थिति बन गई है। उनका कहना है कि पहले प्रति उपभोक्ता 9 रुपए भुगतान का एग्रीमेंट था, जिसे बाद में घटाकर 8 रुपए किया गया और अब इसे 7 रुपए कर दिया गया है।

मानदेय में कटौती के साथ ही मीटर रीडरों में समाधान योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को लेकर भी नाराजगी है। मीटर रीडरों के अनुसार, समाधान योजना के तहत उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित करने पर उन्हें प्रोत्साहन राशि दी जानी थी, लेकिन इसका भुगतान नहीं किया गया है। रीडरों का कहना है कि करीब पांच माह की भुगतान राशि की वसूली नहीं हुई है।

प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने और मानदेय में लगातार कटौती किए जाने को लेकर मीटर रीडरों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मीटर रीडरों का आरोप है कि बिजली कंपनी प्रबंधन ने एग्रीमेंट की अवधि पूरी होने से पहले ही मानदेय में कटौती का निर्णय लिया है। उनके मुताबिक, पहले प्रति उपभोक्ता 9 रुपए का भुगतान तय था। इसके बाद राशि घटाकर 8 रुपए की गई और अब इसे 7 रुपए कर दिया गया है।

बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी, शोएब ढेबर को जमानत

कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से 25 करोड़ मांगे, आरोपी को कॉल करने दिया था हॉटस्पॉट

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी मिली है। इस मामले में पुलिस ने शराब कारोबारी अनवर ढेबर के बेटे शोएब ढेबर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां उन्हें जमानत मिल गई है। इसके अलावा बीजेपी नेता के भांजे टीनू भारद्वाज को भी थाने बुलाया गया था। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए कुछ और युवकों को थाने बुलाया था। इससे पहले पुलिस ने जांजगीर-चांपा के एक युवक को गिरफ्तार किया था। आरोपी होटल में सिक्योरिटी गार्ड है। आरोप है कि उससे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर आनंद कुकरेजा को फोन करवाया गया था। 25 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। आरोप है कि इंटरनेट कॉल करने के लिए शोएब ढेबर ने हॉटस्पॉट दिया था। इस मामले में जांच अभी जारी है।

पूछताछ में शोएब ढेबर का नाम सामने आया

दरअसल, पुलिस ने दिल्ली क्राइम ब्रांच की मदद से व्हाट्सऐप ट्रेस कर जांजगीर-चांपा निवासी युवक को पकड़ा। पूछताछ के दौरान शोएब ढेबर का नाम सामने आया। ऐसे में रायपुर पुलिस ने शनिवार रात शोएब ढेबर को हिरासत में लिया था। जांच का दायरा बढ़ाते हुए पुलिस ने बीजेपी नेता के भांजे टीनू भारद्वाज को भी हिरासत में लिया। इसके अलावा पुलिस ने होटल के 3 कर्मचारियों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि धमकी देने की साजिश में क्या शोएब ढेबर की कोई भूमिका थी। इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पूर्व महापौर से भी 50 करोड़ मांगे थे

इससे पहले बिश्नोई गैंग और अमन साव गैंग के नाम से पूर्व महापौर एजाज ढेबर से भी 50 करोड़ रुपए की मांग की गई थी। इस मामले में एजाज ढेबर ने कोतवाली थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। पुलिस अब दोनों मामलों के बीच किसी तरह का कनेक्शन है या नहीं, इसकी भी जांच कर रही है। फिलहाल, पुलिस ने पूछताछ से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

विवादों से शोएब का पुराना नाता

फरवरी 2026 में भी शोएब ढेबर का नाम एक विवाद से जुड़ा था। वीआईपी रोड पर वाहन को लेकर हुए विवाद के बाद एक स्कूल संचालक के साथ कथित अभद्रता, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोप लगाए गए थे। इस मामले में तेलीबांधा थाने में शिकायत और एफआईआर की बात सामने आई थी। यह मामला भी आरोपों पर आधारित था और इसकी कानूनी स्थिति को अलग से देखा जाना चाहिए। अगस्त 2025 में रायपुर सेंट्रल जेल प्रशासन ने शोएब ढेबर को तीन महीने तक जेल में किसी भी प्रकार की मुलाकात से प्रतिबंधित किया था। जेल प्रशासन के आदेश के अनुसार, उन पर अधिकारियों की अनुमति के बिना मुलाकात कक्ष में प्रवेश करने और सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप था। इस कार्रवाई की जानकारी उस समय कई मीडिया रिपोर्टों में सामने आई थी। सितंबर 2024 में वीआईपी रोड स्थित जूक क्लब बार में वाहन पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद मारपीट और अभद्रता के आरोपों में तेलीबांधा पुलिस ने शोएब ढेबर को गिरफ्तार किया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बाद में उसे अदालत में पेश किया गया था।

रायपुर में राशन भंडारण का संकट! दुकानदारों को आधी सप्लाई

नान की जिला प्रबंधक हेलेना तिग्गा का हुआ तबादला

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर जिले में राशन भंडारण और दुकानों तक खाद्यान्न पहुंचाने की व्यवस्था लंबे समय से प्रभावित बताई जा रही है। इसे लेकर कलेक्टर से लेकर खाद्य सचिव और मंत्री तक शिकायतें पहुंच चुकी हैं। राशन दुकानों में समय पर भंडारण नहीं होने के कारण कार्डधारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच नागरिक आपूर्ति निगम (नान) की जिला प्रबंधक हेलेना तिग्गा का मुख्यालय तबादला कर दिया गया है। अब रायपुर नान के प्रभारी जिला प्रबंधक जीएच त्रीनाथ रेड्डी ने जिम्मेदारी संभाल ली है।

रायपुर जिले में खाद्यान्न के समय पर भंडारण को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। राशन दुकानदारों का कहना है कि पर्याप्त मात्रा में और समय पर खाद्यान्न नहीं पहुंचने से वितरण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। पिछले टीएल बैठक में भी भंडारण व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारी को फटकार लगने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद जिला प्रबंधक हेलेना तिग्गा का मुख्यालय तबादला कर दिया गया। नए प्रभारी के पद संभालने के बाद भी ट्रांसपोर्टिंग की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। खबर के अनुसार वर्तमान में एक ही ट्रांसपोर्ट एजेंसी के पास भंडारण की अनुमति है। इसके बावजूद दूसरी एजेंसी की गाड़ियां भी गोदामों में लगाए जाने की बात सामने आई है। एक एजेंसी की पांच गाड़ियां अटैच किए जाने की जानकारी भी दी गई है। राशन दुकानदारों के मुताबिक गाड़ियों की संख्या कम होने से कई दुकानों तक खाद्यान्न की सप्लाई प्रभावित हुई है। दावा है कि कुछ दुकानों में सप्लाई करीब 50 प्रतिशत तक प्रभावित हो रही है। हालांकि इन आरोपों और व्यवस्था की स्थिति की विभागीय स्तर पर जांच की आवश्यकता है। राशन भंडारण को लेकर यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि कुछ दुकानों में पहले खाद्यान्न पहुंचाया जाता है, जबकि अन्य दुकानों को इंतजार करना पड़ता है। दुकानदारों को उम्मीद है कि नए प्रभारी के आने के बाद भंडारण और परिवहन की व्यवस्था में सुधार होगा।

साप्ताहिक शहर सत्ता
हम निभाएंगे आपका...

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

मतदाता सूची का पुनरीक्षण और लोकतंत्र की शुचिता

इसमें कोई दोराय नहीं कि मतदाता सूची में सिर्फ पात्र मतदाताओं और वैध नागरिकों के ही नाम होने चाहिए, ताकि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित की जा सके। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह जरूरी भी है। मगर इसके लिए निर्वाचन आयोग ने जिस विशेष मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया को एक अभियान की तरह चलाया है, वह अपनी शुरुआत से ही सवालों के घेरे में रहा। बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में जिस तरह लाखों मतदाताओं को सूची से अलग-अलग कारणों से बाहर कर दिया गया, उसकी कसौटियों और औचित्य को लेकर विवाद जारी हैं।

ऐसी आपत्तियां न केवल विपक्षी दलों की ओर से सामने आईं, बल्कि खुद चुनाव आयोग से जुड़े रहे पूर्व शीर्ष अधिकारियों ने भी इस पर कई सवाल उठाए हैं। मसलन, पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओपी रावत ने एसआइआर को एक ऐसी व्यवस्था करार दिया है, जिसने मतदाताओं के मन में डर पैदा कर दिया है। उनके मुताबिक, वैधानिक मतदाता पंजीकरण प्रपत्र-6 में किए गए बदलाव पूरी तरह गलत और अवैध हैं।

खबरों के मुताबिक, मौजूदा तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने भी पिछले दस महीनों में कम से कम चौदह बार मतदाताओं के पंजीकरण और नाम हटाने को लेकर प्रपत्र-6 में बदलाव तथा मतदाता सूची के डेटाबेस पर नियंत्रण को केंद्रीकृत करने पर आपत्ति दर्ज की। सवाल है कि जब खुद चुनाव संचालित करने वाले कुछ पूर्व और वर्तमान उच्च अधिकारी भी यह मान रहे हैं कि निर्वाचन आयोग जिस एसआइआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बता रहा है, उसकी प्रक्रिया औचित्य के कठघरे में है, तो इसकी क्या विश्वसनीयता रह जाती है! इसी से संबंधित एक सवाल पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त वाईएस कुरैशी ने भी उठाया है कि क्या कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण पुनरीक्षण प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की गई मतदाता सूचियों के आधार पर चुनाव कराए जा सकते हैं।

जाहिर है, यह एक बड़े महत्त्व का सवाल है। मगर हकीकत यह है कि विपक्षी दलों की ओर से भी इसी तरह की आपत्ति दर्ज कराए जाने के बावजूद निर्वाचन आयोग ने कई राज्यों में विधानसभा चुनाव कराए। पश्चिम बंगाल में विवाद के तूल पकड़ने के बाद मतदाता सूची में नाम फिर से शामिल कराने के लिए अपीलीय न्यायाधिकरणों में अपील की व्यवस्था की गई। वहां हालत यह है कि अब तक जितने मामलों का निपटारा हो सका है, उनमें से करीब नब्बे फीसद लोगों के नाम फिर से मतदाता सूची में शामिल किए गए। जाहिर है, ये लोग वैसे मतदाता हैं, जिन्हें विधानसभा चुनावों में मत डालने अधिकार नहीं मिला।

सवाल है कि ऐसे लाखों मतदाताओं के मतदान से हक से वंचित होने की जिम्मेदारी किसकी है! इसी क्रम में मौजूदा दो निर्वाचन आयुक्तों ने भी जिस तरह के सवाल उठाए हैं, उससे वास्तव में आयोग की साख अब कसौटी पर है। यह बेवजह नहीं है कि राज्यों में लाखों मतदाताओं को बाहर करके आयोजित कराए गए चुनावों के नतीजों को भी अब संदिग्ध बताया जाने लगा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि स्वच्छ मतदान ही देश के लोकतंत्र का आधार रहा है।

अगर अपात्र नागरिकों को मतदाता सूची से बाहर करने के नाम पर चलाए गए अभियान का चुनावी नतीजों पर असर पड़ता है और उसमें पड़ा उलट-फेर होता है, तब सवाल लाजिमी हो जाता है कि फिर निर्वाचन आयोग की ओर से एसआइआर के अभियान का क्या मकसद है। ऐसा क्यों है कि न सिर्फ तमाम विपक्षी दल और उनके नेता, बल्कि खुद चुनाव आयोग के कुछ पूर्व शीर्ष अधिकारी भी एसआइआर को लेकर सवाल उठा रहे हैं। इसकी अनदेखी न केवल लाखों मतदाताओं को मतदान के हक से वंचित करने की वजह बनेगी, बल्कि इससे दूरगामी स्तर पर लोकतंत्र का जीवन प्रभावित होगा।

कॉलोनी डूब जाए तो डूब जाए जमीन का रेट नहीं डूबना चाहिए...!

एक समय था, जब सप्ताह भर तक मूसलाधार बारिश होती थी। शहर की कॉलोनियां सुरक्षित रहती थीं और बस्तियां डूबती थीं। अखबारों में बस्तियों के फोटो छपते थे। नीचे कैप्शन होता था—'बारिश ने मचाई तबाही।' अब तस्वीर बदल गई है क्योंकि कॉलोनियां भी डूबती हैं। रायपुर में 48 घंटे की बारिश ने करीब एक दशक बाद खारून नदी को फिर उफान पर ला दिया। कॉलोनियों के घरों में पानी घुस गया। गलियां लबालब हो गईं। सैकड़ों परिवार प्रभावित हुए । जिन घरों की बालकनी से कल तक शहर का विकास दिखाई देता था, वहां अब विकास की ऊंचाई नहीं, पानी की गहराई नापी जा रही थी। जिन्होंने लाखों-करोड़ों देकर 'प्राइम लोकेशन' खरीदी थी, उन्हें पहली बार पता चला कि लोकेशन सचमुच प्राइम है, बारिश आते ही पानी सबसे पहले यहीं पहुंचता है। कॉलोनी अपने विज्ञापन में लिखे 'प्रीमियम लाइफस्टाइल' को पानी में तैरता हुआ साबित कर रही थी। शहर का विकास इतना तेज निकला कि पानी बेचारा पीछे रह गया। अब पानी ने भी तय कर लिया है कि वह पुराने रास्ते से ही आएगा, चाहे रास्ते में कितनी ही नई कॉलोनियां क्यों न खड़ी कर दी गई हों।

इस बार बारिश ने एक ऐसा काम कर दिया, जो शहर के योजनाकार भी नहीं कर पाए, गणेश जी का विसर्जन तक एक दिन रुक गया।

गणेश जी को नदी तक पहुंचने के लिए रास्ता चाहिए था। शहर ने रास्ते बना रखे थे, लेकिन पानी के लिए नहीं, सिर्फ गाड़ियों के लिए। शहर वाले बप्पा को नदी तक पहुंचाने की चिंता कर रहे थे और बप्पा शायद शहर को पानी से बाहर निकालने की। आखिर गणेश जी विघ्नहर्ता हैं। लेकिन इस बार विघ्न इतना बड़ा था कि शायद बप्पा भी सोच रहे थे कि जिस शहर ने नालों और तालाबों का ही विसर्जन कर दिया हो, वहां मेरा विसर्जन कैसे होगा ? विघ्नहर्ता ने विघ्न तो हटा दिया लेकिन भविष्य का संकेत जरूर दे दिया है।

हमने तालाब पाट दिए, नाले ढंक दिए, जलभराव वाले इलाकों में प्लॉट काट दिए और नदी के किनारों को भी खाली नहीं छोड़ा। पानी के पुराने रास्तों पर बोर्ड लग गया—'यहां प्लॉट उपलब्ध हैं।' फिर बारिश आई तो हमें आश्चर्य हुआ कि पानी सड़क पर क्यों है। पानी को आखिर सड़क पर ही आना था। हमने उसके घर पर कब्जा कर लिया था। शहर में अब मिट्टी कम है और कांक्रीट ज्यादा। पेड़ कम हैं और पार्किंग ज्यादा। तालाब कम हैं और टाउनशिप ज्यादा। नाले कम हं और नालियों पर स्लैब ज्यादा। हमने प्रकृति को आधुनिक बना दिया है।

नालियों की हालत भी कम लोकतांत्रिक नहीं है। उनमें पानी के साथ पॉलिथीन, प्लास्टिक, कचरा और हमारी लापरवाही बहती है। बारिश आते ही सब मिलकर नाली को बंद कर देते हैं। फिर पानी सड़क पर खड़ा होकर पूछता है—'अब बताइए, मैं जाऊं तो जाऊं कहां?' शहर के पास इसका कोई जवाब नहीं है। क्योंकि शहर ने हर जवाब को पहले ही कॉलोनी में बदल दिया है। जहां तालाब था, वहां मकान है। जहां नाला था, वहां सड़क है। जहां बारिश का पानी फैलता था, वहां पार्किंग है। जहां नदी को फैलने की जगह मिलती थी, वहां निर्माण है।

हर साल नई सड़क बनती है, नई कॉलोनी आती है, नया उद्घाटन होता है। पुराने तालाब की जगह बने नए मोहल्ले का नाम भी कुछ ऐसा रखा जाता है—'ग्रीन वैली', 'लेक व्यू', 'रिवर फ्रंट'। तालाब नहीं है, लेकिन 'लेक व्यू' जरूर है। नदी दूर है, लेकिन 'रिवर फ्रंट' मौजूद है। पेड़ दो हैं, पर कॉलोनी का नाम 'ग्रीन पार्क' है। हमने नामों से प्रकृति की कमी पूरी कर ली है। अब अगर बारिश ज्यादा हो जाए तो दोष बारिश का है। नदी उफन जाए तो नदी का है। नाली बंद हो जाए तो पॉलिथीन का है। सड़क डूब जाए तो मौसम असामान्य है। शहर की कोई गलती नहीं है। शहर ने तो बहुत समझदारी से विकास किया है—इतनी समझदारी से कि पानी के लिए एक इंच जगह भी नहीं छोड़ी। इसलिए अब बस्तियां नहीं डूबतीं, कॉलोनियां डूबती हैं। और जब कॉलोनियां डूबती हैं तो पता चलता है कि पानी गरीब और अमीर में भेद नहीं करता। वह सिर्फ रास्ता खोजता है।

मुसीबत यह है कि हमने रास्ते बेच दिए हैं। और जिस दिन पानी अपना रास्ता मांगने निकलता है, उस दिन सड़क बंद हो जाती है, कॉलोनी बंद हो जाती है, बाजार बंद हो जाता है। और तो और गणेश जी का विसर्जन भी रुक जाता है। लेकिन विकास नहीं रुकता। वह अगले खाली तालाब की तलाश में निकल पड़ता है।

इस पूरे मामले में सबसे दिलचस्प चीज पानी नहीं, जमीन का भाव है। जिस जमीन पर बरसात में यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि घर का दरवाजा कहां है और सड़क कहां, उसी जमीन की कीमत सुनकर आदमी का होश उड़ जाता है।

दलाल बड़े आत्मविश्वास से कहता है—'साहब, लोकेशन बहुत प्राइम है।'

कॉलम - खुरचन

द्वारा- हरिदास

ग्राहक पूछता है—'पानी भरता है?'

दलाल कहता है—'बारिश में थोड़ा बहुत तो हर जगह होता है।'

'थोड़ा-बहुत' का मतलब यह है कि कभी कार डूबती है, कभी स्कूटर और कभी घर का बैठकखाना। लेकिन जमीन का भाव? वह कभी नहीं डूबता। बल्कि बारिश के साथ शायद उसमें और उछाल आ जाता है।

मूसलाधार बारिश के बाद लोग कभी जमीन दलाल को फोन करते हैं।

'भैया, यहां हर साल इतना पानी भरता है?'

दलाल बड़े भरोसे से कहता है—'हां साहब, प्राकृतिक व्यवस्था है।'

'तो जमीन का रेट इतना ज्यादा क्यों है?'

'क्योंकि लोकेशन बहुत बढ़िया है।'

'लेकिन पानी तो घर के अंदर तक आ जाता है!'

'इसीलिए तो प्रीमियम लोकेशन है साहब—पानी सड़क तक नहीं रुकता, सीधे घर तक आता है!'

रायपुर में जमीन खरीदने का गणित भी बड़ा अद्भुत है। सड़क डूबे तो कोई बात नहीं, गली डूबे तो कोई बात नहीं, बेसमेंट में पानी भर जाए तो भी कोई बात नहीं—बस प्लॉट का रेट नहीं डूबना चाहिए।

जिस कॉलोनी में बरसात में लोग कार नहीं, नाव खोजने लगें, वहां भी बोर्ड लगा मिलेगा—'प्रीमियम रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट।' कभी-कभी लगता है कि दलाल जमीन नहीं बेच रहे, भविष्य की जलयात्रा का टिकट बेच रहे हैं।

ग्राहक पूछता है—'यहां पानी भरता है?'

दलाल कहता है—'साहब, पानी तो भगवान की देन है।'

'और इतना महंगा प्लॉट?'

'वह हमारी देन है।'

बस यहीं रायपुर का विकास दर्शन समझ में आ जाता है।

तालाब गया तो कॉलोनी आई। नाला गया तो सड़क आई। पानी का रास्ता गया तो प्लॉट का रेट आया। और जब बारिश आई तो सब वापस आ गया—सिवाय तालाब और नाले के। सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि जिस जमीन को बारिश हर साल 'जलमग्न क्षेत्र' घोषित करती है, बाजार उसे हर साल 'प्रीमियम लोकेशन' घोषित कर देता है। पानी जमीन की औकात बता देता है, लेकिन जमीन का भाव पानी को भी उसकी औकात बता देता है।

रायपुर में बारिश सिर्फ कॉलोनियां नहीं डुबोती, वह हमारी शहरी समझदारी को भी तैरता हुआ दिखा देती है।

युगपुरुष श्रद्धेय अशोक सिंहल जी का जन्मशताब्दी वर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एक बहुत सुंदर सुभाषित है, "वृक्ष कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर।" इसका मतलब है कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता ना देते हुए, सदैव दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। सदियों से हमारे ऋषियों ने हमें यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है।

27 सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज एवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे स्वर्गीय अशोक जी के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, उनसे संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे 1981 का एक प्रसंग याद आता है। उस समय मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियां निभा रहा था। तब मुझे अशोक जी का हाथ से लिखा एक पत्र मिला। उन्होंने पत्र में आने वाले एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपी थीं। उस समय अशोक सिंघल जी से पत्र पाना, मेरे लिए बहुत विशेष और यादगार क्षण बन गया था। मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था। वे लगातार इस पर चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो अशोक सिंघल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। वर्ष 2001 में कच्छ में आए भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बन गया।

आदरणीय अशोक जी अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। उनके पिता श्री महावीर जी की एक प्रशासक के रूप में पहचान थी। उनके एक भाई श्री बी.पी. सिंघल जी पुलिस अधिकारी बने और बाद में संसद सदस्य भी रहे। दूसरे भाई श्री वी.पी. सिंघल जी त्रिपुरा के तब मुख्य सचिव बने, जब यह नया राज्य बना था। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी कॉमर्स और कृषि के क्षेत्र में सफलता हासिल की। लेकिन शुरू से ही अशोक जी का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। बहुत कम उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी थी। वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो और मां भारती की संतान गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें। प्रयागराज में पले-बढ़े अशोक जी कई घंटे संगम के तट पर बैठा करते थे। नदी के प्रति उनका स्वाभाविक आकर्षण था। वहां आने वाले साधु-संत और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी। इससे भारत के सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज के लिए कुछ करने का उनका संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की यही ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशसन और कर्तव्यभाव से निभाया। श्री अशोक सिंघल जी ने अपने निरंतर प्रयास और अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे पूरी सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे। अपने साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। जो भी उनके संपर्क में आता, वह उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। संत समाज के साथ उनके संबंध बहुत प्रगाढ़ थे। देशभर के साधु-संतों के बीच भी उनका काफी सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्व देते थे और उनकी बातों को पूरे आदरभाव से सुनते थे। मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे श्री अशोक सिंघल जी के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना 1993 की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद जी के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया था। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास श्री अशोक जी के अद्वितीय संगठनात्मक कौशल का परिचायक था। दूसरी घटना वर्ष 2000 की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। उस समय मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि अशोक सिंघल जी की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था। मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वो मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था। मैंने एक बार फिर अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन किस तरह हर कार्यकर्ता को नई ऊर्जा से भर देता था।

राम जन्मभूमि आंदोलन में श्री अशोक सिंघल जी की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में दिए गए उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहूलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है, तो इसके पीछे अशोक जी जैसी विभूतियों का निस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने के प्रयास में स्वयं को पूरी तरह खपा दिया। आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वो सबसे अधिक भावुक एवं प्रसन्न होते।

स्वर्गीय अशोक सिंघल जी के विचार बहुत सुलझे हुए थे। वे स्पष्ट रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है। यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने विचार को स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीएचपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले श्री कामेश्वर चौपाल जी के हाथों से हो। काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया। राष्ट्र-निर्माण के साथ ही श्री अशोक सिंघल जी के दो ऐसे प्रिय क्षेत्र थे, जो उनके हृदय के अत्यंत निकट थे। शिक्षा (विशेषकर वैदिक शिक्षा) और संगीत, इन दोनों से उनका गहरा लगाव था। वाराणसी के सांसद के रूप में मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है कि जहां का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, उस शाश्वत काशी ने श्री अशोक सिंघल जी के जीवन में एक अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और वे एक मेधावी छात्र के रूप में जाने जाते थे। वे एकल विद्यालय की पहल से भी गहराई से जुड़े थे, जिसने दूर-दराज के गांवों, खासकर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया। वे जितने गहरे अध्येता और उत्साही पाठक थे, उतने ही अच्छे श्रोता भी थे। वे युवा कार्यकर्ताओं को सदैव पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते थे। आदरणीय अशोक जी को निकट से जानने वालों को पता है कि वे कितना सुंदर गाते थे। मुझे नागपुर की उन बैठकों की याद आती है, जिसमें वे 'एकल गीत' गाया करते थे।

दक्षिण अफ्रीका के दो शहरों में अंधाधुंध फायरिंग, 27 की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केप टाउन और जोहान्सबर्ग शहर में अंधाधुंध फायरिंग की दो अलग घटनाओं में कुल 27 लोगों की मौत हो गई है. साथ ही, इन हमलों में 26 लोग घायल हुए हैं. दक्षिण अफ्रीकी पुलिस इस मास शूटिंग को अंजाम देने वाले बंदूकधारियों की तलाश कर रही है. हालांकि, अभी तक मामले में किसी आरोपी की गिरफ्तारी की कोई जानकारी सामने नहीं आई है और इन दोनों मास शूटिंग के घटनाओं के पीछे का असली मकसद भी अभी तक साफ नहीं हो पाया है. बंदूकधारी आरोपियों ने केप टाउन और जोहान्सबर्ग के पास महज कुछ ही घंटों के अंतराल में दो भयानक मास शूटिंग की घटना को अंजाम दिया. वहीं, इन दोनों मास शूटिंग से पांच दिन पहले डरबन के पास भी एक घर में गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी. लगातार हो रही गोलीबारी की घटनाओं और लोगों की मौत की वजह से दक्षिण अफ्रीका में हिंसक अपराध के बढ़ने और अवैध हथियारों को लेकर फिर से चिंता बढ़ गई है. दक्षिण अफ्रीका में शनिवार (26 सितंबर, 2026) की रात कई परिवारों के लिए मातम की रात में बदल गई.

टुकड़े-टुकड़े गैंग से बचके रहना होगाः शुभेन्दु

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता में भगवद गीता पाठ कार्यक्रम के दौरान कहा कि उनकी सरकार 'गौमाता' की रक्षा करेगी और साधुओं का अपमान करने वाले लोगों को जेल भेजेगी. साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य में हवा का रुख बदल गया है. उन्होंने लोगों से समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ सतर्क रहने का भी आग्रह किया. अधिकारी ने यह भी कहा कि 'हमें 'कश्मीर मांगे आजादी' का नारा लगाने वाले 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' के लोगों के खिलाफ एकजुट और सतर्क रहना होगा.'नेताजी इंडोर स्टेडियम में 'बांगर जागरण मंच' द्वारा आयोजित भगवद गीता पाठ कार्यक्रम में जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में किसी भी धर्म का पालन करने या उसे बढ़ावा देने में डरने की कोई जरूरत नहीं है.उन्होंने लोगों से "भगवद गीता का पाठ करने और इसे बांटने का आग्रह किया. साथ ही उन्होंने लोगों को बिना किसी झिझक के हनुमान चालीसा बांटने के लिए प्रोत्साहित किया. उन्होंने लोगों से कहा कि 'हरे कृष्ण मंत्र का जाप करें, शंख बजाएं डरने की कोई बात नहीं है.'

आशुतोष रांका को पुलिस ने नहीं छोड़ा तो भड़के अभिजीत

नई दिल्ली। असम पुलिस ने गुवाहाटी में सीजेपी यानी कॉकरोच जनता पार्टी के को-फाउंडर आशुतोष रांका समेत कई वर्कर्स को डिटेन किया है. इसी को लेकर सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने अपने नए बयान में बताया है कि वह कल असम जा रहे हैं. दीपके ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'मैं कल सुबह असम जा रहा हूं. क्योंकि पुलिस ने अभी तक आशु को रिहा नहीं किया है. हम गिरफ्तारी या जेल की धमकियों से डरकर झुकने वाले नहीं है. आप चाहें तो कल मुझे एयरपोर्ट पर ही अरेस्ट कर सकते हैं.' रविवार को सीजेपी के को फाउंडर रांका और उनकी टीम को पुलिस ने डिटने किया. रांका इन दिनों असम में स्कूलों की कंडिशन को लेकर और एसआईआर यानी वोटर लिस्ट से जुड़े एसआईआर को लेकर कैंपेन चला रहे हैं. रांका को डिटेन करने के बाद सीजेपी नेता ने असम के मुख्यमंत्री हिंमता पर गंभीर आरोप मढ़े हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देशभर में कांग्रेस का प्रदर्शन

सुप्रीम कोर्ट में याचिका; 2 अक्टूबर से आंदोलन करेगी कॉकरोच जनता पार्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन किया। उत्तराखंड के देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इधर, कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने शुक्रवार को कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर से देशव्यापी आंदोलन करेंगे। CJP ने गुरुवार को ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे की डेडलाइन दी थी। SIR को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में SIR के फैसलों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर बदलावों को असंवैधानिक घोषित करने और करीब 13 करोड़ वोटर्स के नाम हटाने की SIT जांच की मांग है।

कांग्रेस बोली- चुनाव आयोग मनमानी कर रहा

कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में मनमानी कर रहे हैं और दो अन्य आयुक्तों की बात नहीं सुन रहे हैं। पार्टी का ये आरोप इंडियन एक्सप्रेस में छपी उस खबर के बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि पिछले 10 महीनों में 14 बार दोनों चुनाव आयुक्तों ने आयोग के फैसलों पर आपत्ति जताई है।

दो चुनाव आयुक्तों ने 4 बड़े सवाल उठाए

1. फॉर्म-6 में बदलाव: नए वोटरों से पिछली SIR लिस्ट में खुद या परिवार के नाम की जानकारी मांगने पर दोनों ने सवाल उठाया। संधू ने इसे गैरकानूनी बताते हुए हटाने की मांग की।

2. वोटर डेटा का कंट्रोल: दोनों ने सवाल किया कि वोटर डेटाबेस का कंट्रोल दिल्ली में क्यों बढ़ रहा है और राज्यों की पहुंच क्यों सीमित हो रही है।

3. बंगाल में 16 लाख अपीलें: संधू ने पूछा कि हटाए गए नामों को लेकर करीब 16 लाख अपीलें किसने और किसकी अनुमति से दायर कीं।

4. गोवा के 97 वोटर: जांच में योग्य पाए गए 97 वोटरों को सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण अंतिम लिस्ट में नहीं जोड़ा जा सका।

चुनाव आयुक्तों की अहम बैठक में SIR से जुड़े क्या हुए अहम फ़ैसले

चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेदों से जुड़ी रिपोर्ट आने के बाद शनिवार को केंद्रीय चुनाव आयोग की एक बैठक हुई जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी शामिल हुए. इस बैठक में मतदाता सूची से जुड़े विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनावी प्रक्रियाओं को लेकर कई अहम फैसले लिए गए.इस बैठक को लेकर चुनाव आयोग ने एक प्रेस बयान जारी किया है जिसमें बैठक में लिए गए अहम फ़ैसलों की जानकारी दी गई है.हालांकि कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि यह प्रेस नोट अहम सवालों के जवाब नहीं दे पाया.वहीं बीजेपी ने राहुल गांधी पर 'झूठ बोलने' का आरोप लगाया है. जबकि एनडीए के अहम साझेदार चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 'चुनाव आयोग की ओर से सर्वसम्मति से जारी स्पष्टीकरण इस मामले से जुड़ी सभी ग़लतफ़हमियों को दूर करता है.'चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद की द इंडियन एक्सप्रेस की खोजी रिपोर्ट के बाद विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के ख़िलाफ़ महाभियोग चलाने की अपनी मांग और तेज़ कर दी.कॉकरोच जनता पार्टी ने इसी शनिवार तक ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग की थी और चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा नहीं होता है तो दो अक्तूबर से देशव्यापी धरना प्रदर्शन शुरू किया जाएगा. शुक्रवार को कांग्रेस समेत कई दलों ने सीईसी के इस्तीफ़े की मांग को लेकर दिल्ली समेत पूरे देश में धरना प्रदर्शन किया.

EC पर राहुल गांधी के बयान पर रिजिजू का पलटवार

नई दिल्ली। SIR को लेकर केंद्र सरकार, कांग्रेस और चुनाव आयोग के बीच विवाद जारी है. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया दी. रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणियों को सार्वजनिक स्तर पर बढ़ावा देना सही नहीं है, क्योंकि इससे समाज में गलत संदेश जा सकता है.

राहुल गांधी ने हाल ही में SIR को लेकर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर सवाल उठाए थे. उन्होंने 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग की. राहुल गांधी ने कहा कि लोकतंत्र को कमजोर नहीं होने दिया जाएगा. उन्होंने यह भी दावा किया कि 2024 के चुनावों में चुनावी प्रक्रिया से समझौता हुआ और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जांच होनी चाहिए. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी गंभीर आरोप लगाए. ये आरोप राहुल गांधी के राजनीतिक बयान हैं, जिन पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग का पक्ष अलग है.केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसी टिप्पणियों को बढ़ावा देना उचित नहीं है. उनके मुताबिक इससे समाज में गलत मैसेज जा सकता है।

दोबारा चुनाव की मांग को EC ने नकारा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि पश्चिम बंगाल SIR ट्रिब्यूनल के पास अभी भी 37 लाख से ज़्यादा अपीलें लंबित हैं. आयोग ने आंकड़ों के ज़रिए दावा किया है कि इन लंबित अपीलों का चुनाव परिणामों पर असर नहीं पड़ा है. चुनाव आयोग ने यह जानकारी 31 विधानसभा सीटों पर दोबारा चुनाव की मांग कर रहे TMC सांसद डेरेक ओब्रायन की याचिका के जवाब में दी है.

ओब्रायन ने दलील दी थी कि 31 सीटों पर चुनाव में जीत का मार्जिन SIR में हटाए गए नामों की संख्या से कम है. इसका जवाब देते हुए आयोग ने कहा है कि ओब्रायन सिर्फ वैसी सीटों की चर्चा कर रहे हैं जहां उनकी पार्टी हार गई. TMC ने भी ऐसी 21 सीटों में जीत हासिल की है जहां वोटर लिस्ट से हटाए गए लोगों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा थी.आयोग ने बताया है कि अपील ट्रिब्यूनल के सामने लगभग 38 लाख 31 हज़ार अपीलें दाखिल हुई थीं. उनमें से 22 लाख 21 हज़ार अपीलें उन लोगों की हैं, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए थे. 16 लाख 10 हज़ार अपीलें ऐसी हैं जो मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने का विरोध कर रही हैं. यानी इन 16 लाख 10 हज़ार लोगों ने इस चुनाव में वोट डाला है.आयोग ने कहा है कि SIR में 1.22 करोड़ नाम मतदाता सूची से हटने की जम कर चर्चा होती है, लेकिन इस तथ्य की उपेक्षा की जाती है कि हटाए गए ज़्यादातर नाम मृत, डुप्लीकेट, स्थानांतरित या अनुपस्थित श्रेणी के हैं।

नेपालःहिमलुंग हिमाल बेस कैंप पर हिमस्खलन, 10 लोग लापता

नई दिल्ली। रविवार की सुबह सेंट्रल नेपाल में हिमलुंग पीक के बेस कैंप पर हिमस्खलन होने के बाद कम से कम 10 स्थानीय पर्वतारोही और गाइड लापता हो गए हैं. यह 7,126 मीटर ऊंची हिमलुंग पीक नेपाल और तिब्बत की बॉर्डर के पास स्थित है. हिमस्खलन से पहले इस इलाके में कई दिनों तक भारी बर्फबारी हुई थी. इधर, खराब मौसम की वजह से सर्च ऑपरेशन में देरी हुई. हिमालय हॉलिडेज ट्रेकिंग के विभूति चंद ठाकुर ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि दो हेलीकॉप्टर और रेस्क्यू टीम तैयार है, लेकिन खराब मौसम की वजह से सर्च ऑपरेशन रुका हुआ है. ठाकुर ने बताया कि हमारी ऑपरेशन टीम के 8 लोग और दूसरी कंपनी के दो और लोग लापता बताए जा रहे हैं. उन्होंने कहा है कि लापता सभी लोग नेपाली हैं. भारी बर्फबारी से माउंटेन ऑपरेशन में समस्या बनी हुई है. यह हिमस्खलन ऐसे वक्त हुआ है, जब नेपाल देश के कई हिस्सों में खराब मौसम का सामना कर रहा है. गुरुवार से हो रही भारी बारिश के कारण सड़कें बह गई हैं. लैंडस्लाइट भी हुआ है. इसके अलावा बर्फबारी ने माउंटेनियरिंग के अन्य लोकप्रिय स्थलों को भी प्रभावित किया है. मनासलू पर इस हफ्ते भारी बर्फबारी के कारण पर्वतारोहियों को अपने ऑपरेशन रद्द करने पड़े हैं।

सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल', पीएम का पाक को दो टूक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में पाकिस्तान पर की गई सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र किया. उन्होंने 10 साल पूरे होने से एक दिन पहले रविवार (27 सितंबर) को कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक को देखकर दुनिया हैरान हो गई थी. पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश की आतंकवाद विरोधी नीति है, स्ट्राइक से इसका मैसेज सभी को मिल गया.कार्यक्रम की शुरुआत में पीएम मोदी ने कहा, 'मैं देश के सभी लोगों का स्वागत करता हूं. 'मन की बात' में हम देशवासियों के सकारात्मक प्रयासों को मंच देते हैं. देश की उपलब्धियों की बात करते हैं. भारत की ऐसी ही एक बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि को एक दिन बाद 10 साल होने जा रहे हैं. ये उपलब्धि है 'सर्जिकल स्ट्राइक' की.'

प्रधानमंत्री मोदी ने 28-29 सितंबर 2016 की रात को याद करते हुए कहा, 'दस वर्ष पहले 28-29 सितंबर 2016 को भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी. एलओसी के उस पार जाकर हमारे वीर जवानों ने जिस तरह आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की थी, वो देख दुनिया हैरान थी. सर्जिकल स्ट्राइक ने डंके की चोट पर पूरी दुनिया के सामने भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया था.' उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमलों के कारण भारत ने लंबे समय तक जो दर्द झेला था, सर्जिकल स्ट्राइक उस कष्ट के खिलाफ एक निर्णायक प्रतिक्रिया थी. पीएम ने बीते एक दशक में भारत की बदली रणनीति का जिक्र करते हुए कहा कि बालाकोट की एयर स्ट्राइक से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूर' तक भारत ने बार-बार स्पष्ट संदेश दिया है कि अगर आतंकवादी भारत पर आंख उठाएंगे तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा.

मुंबई में 26/11 को लेकर क्या बोले

पीएम मोदी ने देश के पुराने दौर को याद करते हुए कहा, 'एक समय था जब भारत में सीरियल ब्लास्ट होना बहुत सामान्य बात हो गई थी. सितंबर के इस महीने में यानि 13 सितंबर, 2008 को दिल्ली में हुए सीरियल ब्लास्ट में अनेक निर्दोष लोग मारे गए थे. इसके कुछ सप्ताह बाद ही मुंबई में 26/11 का इतना बड़ा हमला हुआ था.' उन्होंने कहा कि पहले हर आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग होती थी लेकिन उस पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था और समय बीतने का इंतजार किया जाता था।

जर्मनी और जापान को स्थायी सीट देने का विरोध

UNSC में स्थायी जगह के लिए रूस ने भारत का दिया साथ

नई दिल्ली। रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी UNSC में भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने की मांग का समर्थन किया है. रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार के दौरान एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे ग्लोबल साउथ के क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाना चाहिए. उन्होंने भारत और ब्राजील की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन किया, जबकि पश्चिमी देशों के लिए अतिरिक्त स्थायी सीटें दिए जाने का विरोध किया.लावरोव ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार को लेकर रूस का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इसमें पश्चिमी देशों के लिए कोई अतिरिक्त स्थायी सीट नहीं होनी चाहिए. उन्होंने खास तौर पर जर्मनी और जापान का नाम लिया. लावरोव ने दावा किया कि दोनों देश सैन्यवाद और पुराने दावों की ओर बढ़ रहे हैं.लावरोव ने कहा कि रूस एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के पक्ष में है. उन्होंने भारत और ब्राजील की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन किया.

भारत की दावेदारी को कई देशों का समर्थन

संयुक्त राष्ट्र महासभा की मौजूदा आम बहस के दौरान भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी को जर्मनी, जापान समेत कई देशों का समर्थन मिला है. मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल ने कहा कि उनका देश UNSC सुधार को लेकर G4 और L69 के रुख का समर्थन करता है. उन्होंने भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी के समर्थन को भी दोहराया. रामफुल के मुताबिक, वैश्विक मामलों में भारत की रचनात्मक भूमिका को देखते हुए उसे स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए.पुर्तगाल ने भी सुरक्षा परिषद में संरचनात्मक सुधार का समर्थन किया है. प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने अधिक प्रतिनिधित्व वाली सुरक्षा परिषद की जरूरत बताई और अफ्रीका, ब्राजील तथा भारत के लिए स्थायी प्रतिनिधित्व का समर्थन किया. मार्शल आइलैंड्स ने जापान और उसके G4 साझेदारों को UNSC की स्थायी सदस्यता दिलाने के अपने लंबे समय से चले आ रहे समर्थन को दोहराया. जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने भी सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग की. उन्होंने कहा कि परिषद को मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को प्रतिबिंबित करने के लिए बदला जाना चाहिए. इसके लिए उन्होंने स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में सदस्य संख्या बढ़ाने की वकालत की.

अफ्रीकी देशों ने भी उठाई प्रतिनिधित्व बढ़ाने की मांग

अफ्रीकी देशों ने भी सुरक्षा परिषद में अपने प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की मांग दोहराई है. सिएरा लियोन के राष्ट्रपति जूलियस माडा बायो ने कहा कि UNSC आज भी 1945 की दुनिया को प्रतिबिंबित करता है. उन्होंने कहा कि अफ्रीका की आबादी 1.6 अरब से अधिक होने के बावजूद महाद्वीप के पास सुरक्षा परिषद में कोई स्थायी सीट नहीं है. फिलहाल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं. इनमें चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं. इन पांचों देशों के पास वीटो का अधिकार है. इसके अलावा 10 गैर-स्थायी सदस्य होते हैं।

रम्मीकल्चर ऐप मामले में ED की बड़ी कार्रवाई, 442 करोड़ की संपत्तियां अटैच

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने रम्मीकल्चर ऐप समेत ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग मामले में करीब 442.35 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की हैं. ED ने यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 की धारा 5(1) के तहत की है. इस संबंध में 25 सितंबर 2026 को प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर (PAO) संख्या 40/2026 जारी किया गया. ED के मुताबिक अटैच की गई संपत्तियों में फिक्स्ड डिपॉजिट में जमा रकम, कमर्शियल दुकानें, एक विला और कई आवासीय संपत्तियां शामिल हैं. ये संपत्तियां गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के शेयरधारकों के परिवार के सदस्यों, निजी पारिवारिक ट्रस्ट और उनसे जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के नाम पर बताई गई हैं.जांच में सामने आया कि Gameskraft Technologies Pvt. Ltd. और RummyTime Technologies Pvt. Ltd. मोबाइल ऐप के जरिए रियल मनी गेम्स संचालित कर रही थीं. इनमें RummyCulture, RummyPrime, Playship और RummyTime जैसे ब्रांड शामिल थे. ED के अनुसार इन प्लेटफॉर्म से देशभर में करीब 3 करोड़ यूजर्स जुड़े थे।

IPL में 20 लाख में बिकने पर रोने लगे थे ध्रुव जुरेल

नई दिल्ली। ध्रुव जुरेल इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं, जो अब भारतीय टीम में भी अपनी खास जगह बना चुके हैं. उन्होंने बताया कि जब उनके नाम पर पहली बार फ्रेंचाइजी ने बोली लगाई, तब उनकी आंखों से आंसू निकल गए. उन्होंने सोचा कि अब मैं अपने रिश्तेदारों को इसके बारे में बताऊंगा, जो मुझसे पूछा करते थे कि तुम IPL कब खेलोगे. आकाश चोपड़ा को दिए इंटरव्यू में ध्रुव जुरेल ने उस रिएक्शन के बारे में बताया, जो उनका IPL में पहली बार चुने जाने पर था. बता दें कि राजस्थान ने उन्हें 2022 में उनके बेस प्राइस पर खरीदा था. वह ऑक्शन के पहले राउंड में अनसोल्ड रहे थे, उनका नाम आया लेकिन किसी फ्रेंचाइजी ने भरोसा नहीं जताया. फिर जब दूसरी बार उनका नाम पुकारा गया, तब राजस्थान ने बोली लगाई. राजस्थान ने उन्हें उनके बेस प्राइस (20 लाख रुपये) पर खरीदा था. पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा को दिए इंटरव्यू में ध्रुव जुरेल ने कहा कि वह रो पड़े थे. उन्होंने कहा, "पहली बार मेरा नाम आया तो किसी टीम ने बोली नहीं लगाई. दूसरी बार मेरा नाम आया तो राजस्थान रॉयल्स ने बोली लगाई, मेरी आंखों में आंसू आ गए, मैं रो रहा था.

अफगानिस्तान से भिड़ेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। 2026 एशियन गेम्स में क्रिकेट इवेंट में लीग स्टेज के मैच खत्म हो गए हैं. अब क्वार्टर फाइनल मुकाबलों की तस्वीर सामने आ गई है. भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश पहले ही क्वार्टरफाइनल में थे. अब हॉन्गकॉन्ग, नेपाल और मलेशिया भी पहुंच गए हैं. अब क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना अफगानिस्तान से होगा. टोटल चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं. क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है. लीग स्टेज में 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया था. ग्रुप ए में नेपाल, अफगानिस्तान और जापान थे, जबकि ग्रुप बी में मलेशिया, हांगकांग और ओमान थे. ग्रुप ए से नेपाल और अफगानिस्तान व ग्रुप बी से मलेशिया और हांगकांग ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है. पहला क्वार्टर फाइनल- पाकिस्तान बनाम हांगकांग, 28 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा. दूसरा क्वार्टर फाइनल- भारत बनाम अफगानिस्तान, 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा.तीसरा क्वार्टर फाइनल- श्रीलंका बनाम नेपाल, 29 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा. चौथा क्वार्टर फाइनल- बांग्लादेश बनाम मलेशिया, 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा.

Air India Express में टिकट पर 10% की छूट

नई दिल्ली। Air India Express ने इस त्योहारी सीजन में एक खास ऑफर निकाला है जिसमें यात्रियों को फ्लाइट टिकट पर डिस्काउंट और दूसरे कई बेनेफिट मिलने वाले हैं. ये खास ऑफर स्टूडेंट्स के लिए है और इसके तहत उन्हें घरेलू उड़ानों की टिकटों पर 10 परसेंट का डिस्काउंट मिलेगा. इसके अलावा उनको एक्स्ट्रा बैगेज ले जाने का मौका मिलेगा. साथ ही ट्रैवल डेट चेंज करने का मौका बेहद कम कीमत में मिलेगा. ये ऑफर स्टूडेंट्स को 20 अक्टूबर 2026 तक के लिए मुहैया कराया जा रहा है. इसके लिए उन्हें एयरलाइन्स की ऑफिशियल बुकिंग वेबसाइट और इसके ऐप पर जाना होगा।

एशियन गेम्स के आठवें दिन भारत ने जीते सात मेडल

नई दिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स में रविवार को 4 सिल्वर समेत 7 मेडल जीते। सर्वेश कुशारे ने मेंस हाई जंप में सिल्वर मेडल हासिल किया। उन्होंने 2.25 मीटर की बेस्ट जंप की। रविवार को पारुल चौधरी ने महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज में 9:08.67 के पर्सनल बेस्ट के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।इससे पहले एंसी सोजन ने महिला लॉन्ग जंप में 6.53 मीटर की छलांग लगाकर सिल्वर और तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन में 7934 अंकों के साथ ब्रॉन्ज जीता।स्क्वॉश में अभय सिंह और अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल हासिल किए। हरिता भद्रा ने महिला 200 मीटर में 23.20 सेकेंड के साथ ब्रॉन्ज जीता।

बॉक्सिंग में अंकुश पंघाल और परवीन हुड्डा ने क्वार्टर फाइनल जीतकर 2 और मेडल पक्के किए। अंकुश ने मेंस 80 किग्रा में ताजिकिस्तान के नेक्रूज सलीमोव और परवीन ने महिला 65 किग्रा में उज्बेकिस्तान की नवबहोर खामिदोवा को 5-0 से हराया। 8वें दिन भारत ने अब तक 7 मेडल जीते हैं। इसके साथ भारत के कुल 37 मेडल हो गए हैं। इनमें 4 गोल्ड, 16 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

मुरली मेंस लॉन्ग जम्प के फाइनल में

लॉन्ग जम्पर मुरली श्रीशंकर और डेविड सोलोमन ने एथलेटिक्स के मेंस लॉन्ग जम्प इवेंट के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। वे सोमवार को फाइनल खेलेंगे। वहीं, पीवी सिंधु बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स का क्वार्टर फाइनल हार गई हैं। उन्हें चीन की चेन यूफेई ने 11-21, 21-18, 21-10 से हराया।

भारत 4x100m रिले रेस के फाइनल में

भारतीय महिला टीम ने 4x100 मीटर रिले के दूसरे हीट के फाइनल में पहुंच गई है। एंकर लेग में अभिनया राजराजन ने फिनिशिंग लाइन के ठीक पास जापान को पीछे छोड़ दिया। भारतीय टीम ने 43.65 सेकेंड के इस सीजन का अपना बेस्ट प्रदर्शन किया।

एथलेटिक्स: सर्वेश को हाई जंप में सिल्वर

भारत के सर्वेश कुशारे ने मेंस हाई जंप में सिल्वर मेडल जीता। 2.28 मीटर की ऊंचाई पर तीनों प्रयास फेल होने के बाद काउंटबैक के आधार पर उन्हें सिल्वर मिला। चीनी ताइपे के फू चाओ-शुआन ने गोल्ड जीता। पारुल चौधरी ने महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज में 9:08.67 सेकेंड के पर्सनल बेस्ट के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने अपना ही नेशनल रिकॉर्ड बेहतर किया। विनफ्रेड यावी ने 9:04.36 के गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड और कजाकिस्तान की नोराह तनुई ने सिल्वर जीता।

हार्दिक पंड्या फिर चोटिल, न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या फिर चोटिल हो गए हैं। उनके दाएं पैर की आगे की हड्डी में चोट लगी है। इस वजह से वे कम से कम 3 हफ्ते तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। PTI की रिपोर्ट के अनुसार, चोट के कारण हार्दिक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 और वनडे दोनों सीरीज नहीं खेल पाएंगे। टी-20 सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू होगी ।वह मार्च से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। हार्दिक के हालिया स्कैन में दाएं पैर के आगे की हड्डी में इंजरी सामने आई है। उन्हें 2 हफ्ते पूरी तरह आराम करने की सलाह दी गई है। BCCI मेडिकल पैनल के हेड डॉ. दिनशॉ पारदीवाला अभी जापान में हैं। उनके लौटने के बाद हार्दिक की रिपोर्ट का आकलन किया जाएगा। इसके बाद रिहैब शुरू करने का फैसला होगा।हार्दिक का रिटर्न टू प्ले टारगेट 20 सितंबर रखा गया था। इसी के आधार पर उन्हें ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम में चुना गया था। नई चोट के कारण अब वे इस सीरीज से भी बाहर हो गए हैं। BCCI हार्दिक को एशियन गेम्स के लिए जापान जाने वाले भारतीय दल के साथ भेजना चाहता था।

मुथूट फिनकॉर्प बना टीम इंडिया का नया टाइटल स्पॉन्सर

नई दिल्ली। भारत बनाम वेस्टइंडीज वनडे सीरीज से पहले BCCI ने मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड भारत में होने वाले क्रिकेट मैचों के लिए टाइटल स्पॉन्सर घोषित किया है. यह साझेदारी मार्च 2028 तक चलेगी. बोर्ड ने अपने आधिकारिक एलान में कहा कि मुथूट फिनकॉर्प का खास नीला रंग, भारतीय क्रिकेट की 'मेन इन ब्लू' और 'विमेन इन ब्लू' टीमों के साथ एक स्वाभाविक विजुअल जुड़ाव भी बनाता है. बीसीसीआई ने बताया कि इस टाइटल स्पॉन्सरशिप में भारत में खेली जाने वाली सभी इंटरनेशनल सीरीज और टूर्नामेंट के साथ-साथ बोर्ड द्वारा आयोजित सभी घरेलू टूर्नामेंट भी शामिल होंगे. बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने इस डील को लेकर कहा, "टाइटल स्पॉन्सर के तौर पर मुथूट फिनकॉर्प का जुड़ना भारतीय क्रिकेट की ताकत और पहुँच के साथ-साथ देश भर के लोगों के साथ इसके जुड़ाव को भी दिखाता है."अध्यक्ष ने आगे कहा, "दोनों ब्रांड्स के बीच एक स्वाभाविक जुड़ाव भी है. मुथूट फिनकॉर्प का खास नीला रंग भारतीय क्रिकेट की 'मेन इन ब्लू' और 'विमेन इन ब्लू' टीमों के साथ मिलता है. हमें BCCI परिवार में मुथूट फिनकॉर्प का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है और हम आने वाले सीजन में एक मजबूत साझेदारी बनाने के लिए उत्सुक हैं।

एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद भड़की सिंधु

नई दिल्ली। एशियन गेम्स में पीवी सिंधु का सफर क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गया, लेकिन मैच के बाद उनकी नाराजगी सिर्फ हार को लेकर नहीं थी. चीन की चेन यूफेई के खिलाफ मुकाबले के बाद सिंधु ने टूर्नामेंट के शेड्यूल पर सवाल उठाते हुए कहा कि खिलाड़ियों को लगातार मैचों के बीच रिकवरी के लिए काफी समय नहीं मिला. सिंधु ने बताया कि उन्हें 24 घंटे के अंदर तीन सिंगल मैच खेलने परे. शनिवार को उनके दो मुकाबले थे, जिसमें दूसरा मैच आधी रात के बाद खत्म हुआ. इसके कुछ ही घंटों बाद उन्हें रविवार को क्वार्टर फाइनल के लिए कोर्ट पर उतरना पड़ा.

सिंधु ने कहा कि एक दिन में दो मैच खेलने के बाद शरीर को रिकवर होने का समय देना सबसे जरूरी होता है. उनके मुताबिक, ये सिर्फ मानसिक रूप से तैयार होने की बात नहीं है, क्योंकि लगातार मुकाबलों के बाद शरीर को भी आराम की जरूरत होती है.उन्होंने कहा कि लंबी रैलियों के बाद रिकवरी और भी जरूरी हो जाती है. खिलाड़ी भले ही अच्छा कर रहा हो, लेकिन कई बार शरीर साथ नहीं देता. सिंधु ने माना कि कुल मिलाकर मैच अच्छा था, लेकिन शेड्यूल थोड़ा बेहतर होना चाहिए था.सिंधु ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान हॉक-आई की सुविधा नहीं होने पर भी नाराजगी जताई. उनका कहना था कि कुछ शॉट लाइन के बेहद करीब थे।

DHL का बड़ा झटका! भारत में 8.9% महंगी होगी शिपमेंट सर्विस

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों में भारत की जनता ने महंगाई की मार खूब देखी है. अब तक भी इसका बोझ जनता उठा रही है. कुछ दिनों में जहां महंगाई कम होने की उम्मीद थी, तो वहीं अब ये उम्मीद भी टूटती नजर आ रही है. क्योंकि नए साल से अब विदेशों में सामान भेजना भी काफी महंगा होने वाला है. DHL एक्सप्रेस ने हाल ही में अपने चार्जेस बढ़ाने का फैसला कर लिया है. अगर आप भी DHL एक्सप्रेस के जरिए देश-विदेश में सामान या जरूरी दस्तावेज भेजते हैं, तो 1 जनवरी 2027 से इसके लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करना पड़ सकते हैं. कंपनी ने भारत में अपने शिपमेंट चार्ज 8.9% तक बढ़ाने का ऐलान किया है. DHL एक्सप्रेस के मुताबिक, शिपमेंट की लागत कई वजहों से बढ़ रही है. इसमें महंगाई, करेंसी में उतार चढ़ाव और लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री की बढ़ती लागत भी शामिल है. कंपनी का कहना है कि वो हर साल अपनी कीमतों का रिव्यू करती है।

दीवाली से पहले झटका! बढ़ेंगे एसी- टीवी के दाम

नई दिल्ली। इस बार नवंबर के महीने में दीपावली मनाई जाएगी. इस त्यौहार पर लोग अपने घर का रिनोवेशन करते हैं. लिपाई- पुताई करते हैं, नए सोफा, टीवी, फ्रिज, एसी आदि खरीदते हैं. तो वहीं कई लोग तो पूरे साल इसी चीज का इंतजार करते हैं कि वो दीवाली पर घर की जरूरत का सामान खरीदेंगे. लेकिन इस बार यदि आपने ऐसा सोचा है तो आपका दीपावली का बजट हिल सकता है. क्योंकि दीवाली से पहले घर के लिए एसी, LED TV, वॉशिंग मशीन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने वालों को कंपनियों ने झटका दिया है. कंपनियां 1 अक्टूबर से कई इलेक्ट्रॉनिक और होम अप्लायंस की कीमतों में 5% से 8% तक बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं.

इन कंपनियों ने किया कीमत बढ़ाने का फैसला

होम अप्लायंस कंनियां जैसे ब्लू स्टार, गोदरेज अप्लायंसेज, हायर, डैकिन और सुपर प्लास्ट्रोनिक्स ने अलग-अलग प्रोडक्ट्स की कीमतों में बढ़ोतरी की पुष्टि की है. कुछ कंपनियों ने अलग-अलग कैटेगरी में 4% से 10% तक कीमतें बढ़ाई हैं. वहीं पैनासोनिक अभी स्थिति पर नजर रख रही है. रिपोर्ट के मुताबिक LG और बॉश होम कंफर्ट जो हिताची ब्रांड के AC बनाती है, ने भी AC की कीमतों में करीब 5% की बढ़ोतरी की है.

क्यों बढ़ रहे हैं दाम?

अपने इस फैसले को लेकर इन कंपनियों का कहना है कि कॉपर, स्टील, एल्युमिनियम और प्लास्टिक जैसे कच्चे माल की कीमत लगातार बढ़ रही है. इसके अलावा माल ढुलाई का खर्च भी पहले की अपेक्षा काफी बढा गया है. तो वहीं डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भी लागत पर पड़ा है. जिसके कारण कंपनियों न ये फैसला किया है. इसी साल में यानी 2026 में अब तक इलेक्ट्रॉनिक सामानों की कीमतों में पहले ही दो बार बढ़ोतरी हो चुकी है, अब कंपनियां तीसरी बार दाम बढ़ाने जा रही हैं. कंपनियां लंबे समय से बढ़ते प्रोडक्शन कॉस्ट से परेशान हैं।

चार्ज ब्रोकर देंगे या ग्राहक अभी तय नहीं

शेयर खरीदने पर भी लगेगा UPI चार्ज

नई दिल्ली। UPI पर MDR चार्जेस लागू होने जा रहे हैं, अब ये चार्जेस केवल व्यापारियों तक नहीं बल्कि शेयर बाजार तक भी पहुंच गए हैं. इसको लेकर ऐसी खबरें सामने आईं कि NSE और सरकार के बीच बातचीत चल रही है. जिसके बारे में हाल ही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के MD और CEO आशीष कुमार चौहान ने बात की है.उन्होंने इकोनॉमिक टाइम्स के साथ बातचीत में बताया है कि, UPI के नए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) को लेकर NSE की सरकार से कोई बातचीत नहीं हुई है. उन्होंने ये साफ कर दिया है कि ये मामला पूरी तरह से स्टॉक ब्रोकर और उनके ग्राहकों के बीच का है. दोनों को मिलकर तय करना होगा कि नए शुल्क का असर कैसे संभाला जाए.

15 अक्टूबर से लागू होगा MDR

15 अक्टूबर 2026 से शेयर बाजार और दूसरे कैपिटल मार्केट से जुड़े UPI पेमेंट पर 0.02% MDR लागू होगा. इसमें शेयर, सिक्योरिटीज, म्यूचुअल फंड और स्टॉक ब्रोकर से जुड़े पेमेंट शामिल हैं. हालांकि इस शुल्क की अधिकतम सीमा 300 रुपये पर ट्रांजैक्शन रखी गई है. यानी बड़ी रकम के पेमेंट पर भी एक ट्रांजैक्शन के लिए 300 रुपये से ज्यादा MDR नहीं लगेगा.

ग्राहक से सीधे शुल्क नहीं लिया जाएगा

MDR का भुगतान सीधे ग्राहक से नहीं लिया जाना है. ये मर्चेंट यानी पेमेंट लेने वाले पक्ष की लागत है. लेकिन सवाल ये है कि इस अतिरिक्त खर्च को आखिर ब्रोकर या कंपनियां खुद उठाएंगी या भविष्य में किसी ग्राहकों पर इसका असर पड़ेगा.

ब्रोकरों के सामने है समस्या

मान लीजिए किसी ग्राहक ने UPI से अपने ब्रोकर के अकाउंट में पैसे जमा किए, लेकिन बाद में उसने उन पैसों से कोई शेयर नहीं खरीदा. ऐसी स्थिति में भी ब्रोकर को MDR देना पड़ सकता है. इसी वजह से ये सवाल उठ रहा है कि ऐसे मामलों में एक्स्ट्रा खर्च कौन उठाएगा. NSE के CEO आशीष चौहान के मुताबिक, इसका समाधान ब्रोकर और ग्राहक को मिलकर निकालना होगा. उन्होंने कहा कि अभी ये देखना होगा कि ब्रोकर और ग्राहक नए शुल्क के साथ कैसा रिएक्शन देते हैं. जेरोधा के संस्थापक नितिन कामथ ने ब्रोकिंग को लेकर एक विशेष चिंता जताई है. उन्होंने कहा कि ब्रोकर होने के नाते, हम ग्राहक को पैसे ट्रांसफर करने के बाद ट्रेडिंग करने के लिए बाध्य नहीं कर सकते।

नए गैस कनेक्शन पर लगी रोक, आधार वेरिफिकेशन नहीं कराने से घटे LPG लाभार्थी

नई दिल्ली। देश में बड़ी संख्या में लोग एलपीजी गैस का इस्तेमाल करते हैं. अगर आप भी LPG गैस का इस्तेमाल करते हैं तो यह जानकारी आपके लिए जरूरी है. अहम बात ये है कि देश में एलपीजी कनेक्शन की संख्या में कमी आई है, इसके पीछे की वजह केवल नए LPG कनेक्शन पर रोक नहीं है, बल्कि कई दूसरे जरूरी कारण भी हैं. दरअसल, काफी समय से एलपीजी गैस उपभोक्ताओं को गैस कनेक्शन की आधार वेरिफिकेशन करवाने के लिए कहा जा रहा है. आधार वेरिफिकेशन करवाने का मकसद ही यही है कि एलपीजी सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी का लाभ सही लोगों तक पहुंचाना.

वहीं अगर किसी व्यक्ति ने अपने नाम पर कई सारे कनेक्शन लिए हुए है तो उसका पता करना है. इसके अलावा रिकॉर्ड अपडेट करवाना और फर्जी कनेक्शन को हटाना है. मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण देश में एलपीजी से लेकर पेट्रोल-डीजल तक की सप्लाई पर असर पड़ा था और इसके बाद घरेलू और कर्मिशियल दोनों सिलेंडरों के दाम में बढ़ोतरी भी देखने को मिली. यही कारण है कि सप्लाई प्रभावित होने की वजह से ही तेल कंपनियों ने नए घरेलू एलपीजी कनेक्शन पर रोक लगा दी।

फौरी एक्शन से सक्सेस रेस्क्यू

कलेक्टर और SDRF ने 24 घंटे का चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

बाढ़ और खतरे में फंसे लोगों के लिए अग्रिम तैयारी कारगर

शहर सत्ता/रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में पथरी डीह में बाढ़ के बीच फंसे 14 लोगों को NDRF की टीम ने सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

विषम एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद NDRF की टीम ने तत्परता और समन्वय के साथ अभियान चलाया। प्रशासन, पंचायत अमले एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयास से सभी 14 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू अभियान के दौरान जनपद पंचायत सीईओ श्री आशीष केशरवानी, तहसीलदार धरसीवां श्री राजकुमार साहू, सरपंच प्रतिनिधि श्री तेजराम निषाद, ग्राम पंचायत सचिव श्री ब्रजेश एवं सब इंजीनियर श्री प्रदीप साहू मौके पर मौजूद रहे और राहत एवं बचाव कार्य में सक्रिय सहयोग किया। अभियान में जनपद प्रतिनिधि श्री ईश्वर निषाद की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने स्थानीय स्तर पर लगातार समन्वय स्थापित करने, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने तथा NDRF की टीम को सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए और जरूरतमंद लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा भोजन, पेयजल, दवाइयों सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

जिला प्रशासन के प्रयासों से बाढ़ पीड़ितों के लिए उठे मदद के हाथ

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और राहत शिविरों का कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने किया निरीक्षण

शहर सत्ता/रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एवं राहत शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अधिकारियों के साथ श्रीलंका नगर बस्ती पहुंचकर स्थिति का अवलोकन किया और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।कलेक्टर डॉ. सिंह ने पूर्व माध्यमिक शाला चांदनीडीह तथा शासकीय प्राथमिक शाला घनश्याम नगर डिपरापारा में बनाए गए राहत शिविरों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिविरों में ठहरे नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रभावित परिवारों की राहत एवं पुनर्वास के लिए कार्ययोजना तैयार कर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसी भी नागरिक को परेशानी नहीं होनी चाहिए। राहत शिविरों में राशन एवं भोजन के साथ आवश्यक दवाइयों और कपड़ों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का आकलन करने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र प्रभावितों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाएगी। निरीक्षण के दौरान

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन एवं डीसीपी पश्चिम रॉबिंसन गुड़िया ने राहत शिविर में प्रभावितों को वितरित किए जा रहे भोजन को स्वयं खाकर उसकी गुणवत्ता भी जांची। कलेक्टर ने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बाढ़ प्रभावितों के लिए ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन चेंबर ऑफ कॉमर्स, कैट एवं DA Egg सामने आया

शहर सत्ता/रायपुर। जिले में बाढ़ से प्रभावित लोगों को विभिन्न स्थानों पर बनाए गए राहत शिविरों में सुरक्षित रखा गया है। संकट की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सामाजिक संस्थाओं एवं संगठनों द्वारा लगातार राहत सामग्री उपलब्ध कराकर सहयोग किया जा रहा है। इसी क्रम में रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन, चेंबर ऑफ कॉमर्स, कैट एवं DA Egg द्वारा बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए राहत सामग्री प्रदान कर सहयोग किया गया। इस मानवीय पहल के लिए रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री कैलाश खेमानी, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री सतीश थोरानी, कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अमर परवानी एवं DA Egg के अध्यक्ष श्री धनराज बैनर्जी के प्रति जिला प्रशासन ने आभार व्यक्त किया है। इन संस्थाओं के सहयोग से राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने में मदद मिल रही है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में सामाजिक संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों एवं नागरिकों द्वारा आगे बढ़कर किए जा रहे सहयोग से राहत एवं बचाव कार्यों को मजबूती मिल रही है। ऐसे सामूहिक प्रयासों से प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सहायता समय पर पहुंचाने में मदद मिलती है।

महानदी के निर्माणाधीन एनीकट में बाढ़ में फंसे सभी 71 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

शहर सत्ता/रायपुर। प्राप्त जानकारी के अनुसार 25-26 सितंबर की रात महानदी का जलस्तर बढ़ने से 71 लोग निर्माणाधीन एनीकट में फंस गए थे, जिन्होंने पुल के पिलर पर चढ़कर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ की 22 सदस्यीय टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। बचाव कार्य में गांव के सरपंच श्री हरि शंकर पटेल, पंचगण, ग्रामीण एवं शासकीय प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक श्री योगेन्द्र कुमार ध्रुव एवं स्टाफ ने सहयोग किया। बाढ़ में फंसे 71 लोगों में से 66 मजदूर पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के हैं, जबकि 5 लोग ग्राम टीला के निवासी हैं। सभी 66 मजदूरों को शासकीय प्राथमिक शाला टीला के तीन बड़े हॉल में ठहराया गया है। शाला परिसर में पेयजल हेतु ओवरहेड टंकी एवं शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था है। भोजन की व्यवस्था निर्माणाधीन एनीकट के ठेकेदार द्वारा की जा रही है, जिसमें सरपंच, ग्रामीण एवं शाला स्टाफ सहयोग कर रहे हैं। शाला परिसर से 100 मीटर की दूरी पर उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं आयुर्वेदिक औषधालय स्थित है। डॉ. सतपाल देवांगन ने दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता की जानकारी दी है। सभी लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। सभी मजदूर स्वस्थ हैं।

ठहराए गए तीनों हॉल में ट्यूबलाइट, बल्ब, पंखे चालू स्थिति में हैं तथा सोने के लिए ग्रीन चटाई की व्यवस्था की गई है। स्कूल का मैदान स्वच्छ एवं पूर्णतः सूखा है। सरपंच ने जानकारी दी कि स्कूल के पास 2000 वर्गफीट का महिला भवन भी स्थित है, जहां आवश्यकता पड़ने पर ठहराने की व्यवस्था की जा सकती है ताकि स्कूल संचालन बाधित न

हो। निर्माणाधीन एनीकट के इंजीनियर ने बताया कि जलस्तर कम होने पर एक से दो दिन के भीतर अधिकारियों से मार्गदर्शन लेकर कार्य पुनः प्रारंभ कर दिया जाएगा।

साप्ताहिक शहरसत्ता
हम दिखाएंगे आईना...

Chhattisgarh
Business Made
Easy

छत्तीसगढ़: उद्योगों से भविष्य का निर्माण

नए क्षेत्रों में तेज़ विस्तार | निवेश धरातल पर | युवाओं के लिए रोजगार

₹ 8.23 लाख करोड़
अब तक की निवेश प्रतिबद्धताएँ

1.5 लाख+
अपेक्षित रोजगार

50% थ्रस्ट
सेक्टर परियोजनाएँ

नए क्षेत्रों में प्रगति

- नवा रायपुर में भारत का पहला **एआई डेटा सेंटर**
- मध्य भारत का सबसे बड़ा **फार्मा पार्क**
- नवा रायपुर में राज्य का पहला **सेमीकंडक्टर प्लांट**
- भारत के सबसे बड़े **पेट फूड** ब्रांड का विनिर्माण केंद्र
- नवा रायपुर में **गारमेंट पार्क**, वस्त्र उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

"छत्तीसगढ़ की पहचान अब केवल उसकी खनिज संपदा से नहीं, बल्कि भविष्य के निर्माण, वास्तविक परियोजनाओं, नए रोजगार और विविध आधुनिक अर्थव्यवस्था से भी है।"
- विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

SAMVAD- 14080/ 59

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.),
मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27